MPHIN/2021/83938

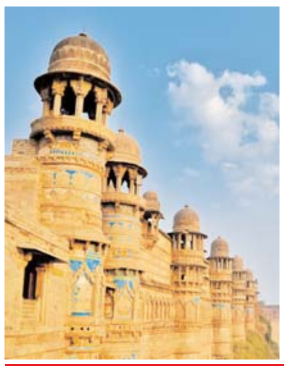

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियर: वर्ष: 4 : अंक:17 | ग्वालियर, 25 नवम्बर शनिवार 2023 | पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए

एक नजर

फर्जी सांसद प्रतिनिधि बनकर पति-पत्नी ने व्यापारी को किया ब्लैकमेल, पुलिस ने लिया ये एक्शन

मध्य प्रदेश के इंदौर में एक व्यक्ति अपनी ही बीवी के साथ मिलकर हनी ट्रैप जैसा घिनौना काम कर रहा था. व्यक्ति अपनी पत्नि के साथ मिलकर एक प्राइवेट कंपनी के मालिक को बलात्कार के आरोप में फंसाने की कोशिश कर रहा था. आरोपी खुद को इंदौर के सांसद का प्रतिनिधि बता रहा था. आरोपियों ने पहले पीड़ित को ब्लैकमेल किया और 40 लख रुपए वसूल लिए. वहीं अब कंपनी के मालिक ने इस आरोपी महिला से परेशान होकर पुलिस की शरण ले ली है. इस मामले में पुलिस ने पहले आरोपी महिला फिर उसके पति को गिरफ्तार किया है. इधर मामले में जब पुलिस ने खुद को सांसद प्रतिनिधि बताने वाले आरोपी के सम्बन्ध में सांसद से जानकारी जुटाई तो सांसद ने लेटर हेड पर लिखकर दिया कि उपरोक्त आरोपी उनका प्रतिनिधि नही है. फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की. जिसके बाद कार्रवाई करते हुए आरोपी और उसकी पत्नी को धर दबोचा. कंपनी के मालिक ने इस दौरान पुलिस को सब कुछ बताया.फरियादी ने पुलिस को बताया कि 3 अक्टूबर 2023 को आरोपी महिला अपने पति का घर छोड़कर राहुल के साथ रहने लगी थी. दरअसल महिला ने उसे बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी दी थी और अपने को साथ रखने का दबाव बनाया था. फरियादी ने बताया कि उसने महिला को रहने के लिए एक घर भी दिलवाया था. इधर आरोपी महिला के पति ने अगले ही दिन चार अक्टूबर को थाने में अपनी पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी. जिसके बाद दोनों ने तलाक का आवेदन भी दिया. इधर ये महिला एक करोड़ दस लाख की कीमत वाले मकान को अपने नाम करवाने के लिए दबाव बनाने लगी. जिससे परेशान व्यापारी ने महिला के खिलाफ लसूड़िया थाने में केस दर्ज करवाया. पुलिस ने तीन महीने तक मामले की जांच की और आखिरकार महिला पर हनी ट्रैप के तहत केस दर्ज करके उसे जेल भेज दिया. पकड़े गए आरोपी का नाम अजय राजपूत है और वो एक कंपनी में मैनेजर है. अजय की बीवी ने ही एक कारोबारी को अपने जाल में फंसाया. धीरे-धीरे महिला ने व्यापारी से लाखों रूपये वसूले जो अजय के खाते में ही गए.

ओ लड़का आंख मारे गाने पर जमकर थिरकीं आप प्रत्याशी चाहत पांडेय

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव का मतदान 17 नवंबर को संपन्न हो चुका है. चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी की नेत्री चाहत पांडेय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. आप की दमोह से टीवी एक्ट्रेस चाहत पांडेय उम्मीदवार हैं. वह एक फेमस टीवी एक्ट्रेस हैं. वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. आए दिन वह कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं. अब उन्होंने बॉलीवुड सॉन्ग ओ लड़का आंख मारे पर ठुमका लगा रही हैं. आप की टिकट पर चुनाव लड़ने वाली चाहत पांडेय इस वीडियो के जरिए काफी सुर्खियां बटोर रही हैं. इससे पहले भी आप नेत्री की कई वीडियो वायरल हो चुके हैं. सोशल मीडिया पर उनके फैंस उनको काफी प्यार देते हैं.मध्य प्रदेश की दमोह सीट से आप की उम्मीदवार चाहत पांडेय का वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है. वायरल वीडियो में आप प्रत्याशी चाहत पांडेय सिंबा फिल्म के गाने ओ लड़का आंख मार जबरदस्त डांस करती दिख रही हैं. आप नेत्री चाहत के इस वायरल वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स खुब प्यार लुटा रहे हैं. साथ ही वीडियो को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं और अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. कोई चाहत के डांस मूव्स को पसंद करते हुए कुछ लिख रहा है तो कोई उनकी एक्सप्रेशन के बारे में बात कर रहा है. तो वहीं कुछ लोग उनकी इस वीडियो की निंदा कर रहे हैं.

2016 में की थी फिल्मी दुनिया में एंट्री –बतां दें कि आम आदमी पार्टी की नेत्री चाहत पांडेय ने 2016 में पवित्र बंधन टीवी इंडस्ट्री की दुनिया में अपना सफर शुरू किया था. उन्हें राधाकृष्णण में राधा के मुख्य किरदार निभाने के लिए चुना गया था, हालांकि बाद में उनकी जगह मल्लिका सिंह को ले लिया गया. 2019 में एक्ट्रेस को हमारी बहू सिल्क में मुख्य भूमिका मिली. इसके बाद चाहत को दुर्गा-माता की छाया और नाथ जेवर या जंजीर जैसे शो में देखा गया. जिसके बाद चाहत ने राजनीति में कदम रखने का फैसला किया और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पार्टी ज्वाइन की. पार्टी ज्वाइन करने के बाद आप ने चाहत को मध्य प्रदेश के दमोह सीट से उम्मीदवार बनाया.

सोशल मीडिया यूजर्स दे रहे हैं प्यार–प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान हुआ. चुनाव के बाद आप की उम्मीदवार एक्ट्रेस चाहत पांडेय का एक डांस वीडियो वायरल हो रहा है. इस वायरल वीडियो में चाहत फिल्म के गाने लड़का आंख मारे% पर जमकर थिरक रही हैं. सोशल मीडिया पर लोग उनके ठुमके को खुब पसंद कर रहे हैं. वीडियो वायरल होने के बाद लोग लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं. वीडियो पर एक यूजर ने लिखा कि आप की विधायक उम्मीदवार चाहत पांडेय गजब डांस करती ह

मध्य प्रदेश में उनकी कोई सुन नहीं रहा.

सीएम शिवराज के राजस्थान दौरे पर कमलनाथ का तंज

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के मतदान खत्म होने के बाद, प्रदेश के दिग्गज नेता राजस्थान में चुनावी प्रसार-प्रसार करने पहुंच रहे हैं. राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर मध्य प्रदेश के कई नेता आमने-सामने हैं. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के राजस्थान के दौरे को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने तंज कसते हुए कहा है कि ÷मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की कोई नहीं सुन रहा है और वे राजस्थान में जाकर प्रचार प्रसार करने का नाटक कर रहे हैं.÷ मध्य प्रदेश के सभी 230 विधानसभा सीटों पर बीते 17 नवंबर को मतदान हुआ था. मतदान के बाद भी प्रदेश में सियासी बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है. भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के नेता एक दूसरे पर मौका मिलते ही आरोप प्रत्यारोप लग रहे हैं. इस बार पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को आड़े हाथों लिया है. उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के राजस्थान दौरे पर सवाल उठाए. कमलनाथ ने कहा है कि ÷मध्य प्रदेश में ही मुख्यमंत्री

शिवराज सिंह की चल नहीं रही है, जबकि वे राजस्थान में जाकर बीजेपी का प्रचार प्रसार करने का दावा कर रहे हैं.÷

शिवराज सरकार में एमपी घोटाले में नंबर वन–इस दौरान कमलनाथ ने आरोप लगाते हुए कहा कि ÷मध्य प्रदेश, शिवराज सरकार के कार्यकाल में घोटाले और अत्याचार में नंबर वन बन चुका है. मध्य प्रदेश में डंपर घोटाला, पटवारी भर्ती घोटाला, महाकाल लोक जैसे कई भ्रष्टाचार और घोटाले हुए हैं जो पूरे देश में सुर्खियां बटोर चुके हैं.÷ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विवेक गुप्ता ने कहा है कि ÷पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सही आरोप लगा रहे हैं. इस बार मध्य प्रदेश में बीजेपी के नेताओं ने ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की बात नहीं मानी. मध्य प्रदेश में बीजेपी के कई नेता निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं.÷

कमलनाथ की गलतफहमी 3 दिसंबर को हो जाएगी दूर–भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि ÷मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ का घमंड और अहंकार के साथ जो गलतफहमी है, वह 3 दिसंबर को दूर हो जाएगा.÷ उन्होंने बीजेपी की जीत का दावा करते हुए कहा कि ÷3 दिसंबर को मध्य प्रदेश में एक बार फिर कमल खिलने वाला है. इसी बौखलाहट के चलते कमलनाथ लगातार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर आरोप लगा रहे हैं.÷ सिसोदिया ने आरोप लगाते हुए कहा, ÷कांग्रेस के कार्यकाल में जो भ्रष्टाचार हुए थे, उसका हिसाब अभी तक कमलनाथ नहीं दे पाए हैं. जबकि वे दूसरों पर झूठे आरोप लगा रहे हैं.÷

मध्य प्रदेश में पुलिसकर्मियों के लिए खुशखबरी! वोटिंग के बाद फिर से मिलेगी सामान्य छुट्टी

मध्य प्रदेश में तीन दिसंबर को विधानसभा चुनाव की मतगणना के बाद फिर से पुलिसकर्मियों को अवकाश मिलेगा. छुट्टी को लेकर पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना द्वारा एक आदेश जारी किया गया है. बता दें कि, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को देखते हुए सितंबर महीने के अंत में पुलिस विभाग ने सभी कर्मचारी-अधिकारियों के सामान्य अवकाश पर प्रतिबंध लगा दिया था. अवकाश प्रतिबंध का आदेश पुलिस महानिदेशक द्वारा जारी किया गया था. दरअसल, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को देखते हुए सितंबर अंत में पुलिस विभाग ने सभी कर्मचारियों अधिकारियों के सामान्य अवकाश पर प्रतिबंध लगा दिया था, इस संबंध में पुलिस महानिदेशक द्वारा आदेश भी जारी किया गया था कि केवल जरूरी परिस्थितियों में सीमिति अवधि के लिए ही अवकाश दिया जाएगा. आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया था कि प्रदेश में आगामी महीनों में

तोयौहारों, वीवीआईपी मूवमेंट और विधानसभा चुनाव 2023 को देखते हुए समस्त पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है.

मतगणना के बाद मिलेगा अवकाश–मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 17 नवंबर को संपन्न हो गया है और अब 3 दिसंबर को मतगणना भी हो जाएगी. इधर लगभग सभी त्योहार भी खत्म हो रहे हैं. ऐसे में चुनाव परिणामों के बाद कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द की स्थिति सामान्य बनाए रखने के लए पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों को पहले की तरह सामान्य अवकाश मिलेगा. पुलिस महानिदेशक द्वारा जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि 3 दिसंबर को चुनाव के परिणाम आने के बाद कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द की स्थिति सामान्य बनाए रखने के लिए पहले की तरह ही अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी.बता दें कि इस संबंध में फील्ड पर तैनात स्टाफ के अलावा पुलिस मुख्यालय में पदस्थ सहायक पुलिस महानिदेशक और उनसे वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों का अवकाश पुलिस महानिदेशक के अनुमोदन के बाद ही स्वीकार किया जा रहा था.

मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को मिली सेवावृद्धि? खबरों के बीच चुनाव आयोग ने किया खंडन

मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को एक बार फिर सेवावृद्धि मिली है. सूबे में चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण इसबार सरकार ने नहीं, बल्कि चुनाव आयोग ने उन्हें एक महीने की सेवावृद्धि दी है. ये उनकी तीसरी सेवावृद्धि है और अब वो मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव के पद पर अगले महीने तक बने रह सकते हैं. चुनाव आयोग द्वारा सेवावृद्धि दिए जाने से पहले वो 30 नवंबर को ही रिटायर होने वाले थे.इससे पहले इकबाल सिंह बैंस को दो बार 6-6 महीने के लिए सरकार ने भी सेवावृद्धि दी थी, लेकिन माना जा रहा था कि क्योंकि इसबार राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू है ऐसे में सरकार उन्हें वृद्धि नहीं दे सकेगी.

ऊर्जा मंत्री के नाम से अधिकारियों को लिखा पत्र, आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत ले चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

मध्य प्रदेश के उज्जैन में विद्युत वितरण कंपनी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने ऊर्जा मंत्री के आदेश पर सभी अधिकारियों को उपभोक्ताओं की शिकायत और सुविधाओं से संबंधित फीडबैक को पोर्टल पर अपलोड करने का आदेश दिया. इस मामले में कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है. आरोप है कि अधिकारी ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है.

बता दें कि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष और चुनाव प्रभारी जेपी धनोपिया की ओर से निर्वाचन आयोग से शिकायत की गई है. इस शिकायती पत्र में बताया गया है कि मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी राजेश हारोट ने पिछले दिनों एक पत्र जारी किया है. इस पत्र में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि ऊर्जा मंत्री के आदेशानुसार उपभोक्ताओं की शिकायत, सुविधाओं के साथ-साथ समस्या के निदान से संबंधित सभी फीडबैक पोर्टल पर अपलोड करें.

पत्र में क्या कहा–इसके साथ पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कम से कम 10 उपभोक्ताओं का प्रतिदिन का फीडबैक अपलोड करना है. इस मामले में कांग्रेस ने अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए निर्वाचन आयोग से अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है. कांग्रेस ने यह भी कहा है कि अधिकारी ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए मंत्री के नाम का पत्र में उल्लेख किया है. इस संबंध में कार्यपालन यंत्री राजेश हारोट से बातचीत करने की कोशिश की गई, लेकिन उससे संपर्क नहीं हो पाया.

कांग्रेस की सरकार बनते ही हो जाएगा तबादला–वहीं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव मकसूद अली ने चेतावनी दी है

इंदौर में रणजीत बाबा के दरबार में मनाया गया अन्नकूट महोत्सव, 130 साल से निभाई जा रही है यह परंपरा

मध्य प्रदेश के इंदौर में बाबा रणजीत हनुमान मंदिर पर 130 साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए मंगलवार को 50 हजार श्रद्धालुओं के लिए विशालतम अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया. इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी संजय व्यास ने कहा कि इस मौके पर बाबा रणजीत का भव्य दर्पण श्रृंगार भी किया गया. साथ ही पुजारी दीपेंद्र व्यास ने बताया कि 50 हजार श्रद्धालुओं के लिए माता अन्नपूर्णा का भंडार तैयार किया गया, जिसमें 450 लोगों की टीम लगाई थी.बता दें कि पिछले दो दिनों से महाप्रसादी बनाने का काम चल रहा था. इधर बुजुर्गों को कोई परेशानी न हो इसके लिए प्रशासन द्वारा विशेष पास तैयार किए गए थे. वहीं बड़ी संख्या में पुलिस बल और 500 से ज्यादा सेवार्थी भी मंदिर की व्यवस्था देखने में जुटे थे. दरअसल, आंवला नवमी को लेकर मान्यता है कि आंवले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास होता है. इसलिए आंवले के पेड़ के नीचे दान करने से वह अक्षुण हो जाता है. इसका लाभ हमें युगों-युगों तक मिलता है.

दस हजार लेट फीस के साथ भरे जाएंगे 10वीं12वीं के परीक्षा फॉर्म, 30 नवंबर है लास्ट

मध्य प्रदेश में अभी तक 10वीं-12वीं की परीक्षा के फॉर्म भरने से चूक गए विद्यार्थियों को भारी भरकम विलंब शुल्क चुकाना पड़ेगा. छात्र 30 नवम्बर तक 10 हजार रुपये विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं. इस बार लोकसभा चुनाव के चलते एमपी बोर्ड की 10वीं-12वीं की परीक्षाएं 5 फरवरी से शुरू होंगी.

10 हजार के लेट फीस के साथ भरे जाएंगे फॉर्म–दरअसल, मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की बोर्ड परीक्षा के फॉर्म जिन विद्यार्थियों ने नहीं भरे है, उन्हें अब दस हजार रुपये विलम्ब शुल्क देना होगा. माध्यमिक शिक्षा मंडल ने फरवरी 2024 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा फार्म जमा करने की तिथि 30 सितंबर तक 1200 रुपए नियमित शुल्क के साथ निर्धारित की थी. इसके बाद मंडल ने 1 से 15 अक्टूबर तक 100 रुपए और 16 से 31 अक्टूबर तक 2000 रुपये विलंब शुल्क के साथ फार्म

जमा करने की अनुमति दी थी. इसके बावजूद कई विद्यालयों और संस्थाओं ने विद्यार्थियों के फार्म जमा नहीं किए गए. इसके बाद फिर 1 से 15 नवंबर तक परीक्षा फार्म जमा करने पर 5000 रुपए विलंब शुल्क तय किया गया था, लेकिन अब भी कई छात्रों के फॉर्म जमा नहीं हुए है. अब एमपी बोर्ड ने 30 नवंबर तक 10 हजार रुपये विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरने की अनुमति दी है. इसके बाद एक दिसंबर से परीक्षा शुरू होने के 10 दिन पहले तक 12 हजार विलंब शुल्क के साथ फार्म जमा किया जाएगा.

सीएम शिवराज सिंह चौहान की किस्मत , 3 दिसंबर को आएगा नतीजा

के

बुधनी विधानसभा सीट से बीजेपी से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रत्याशी हैं, जबकि कांग्रेस ने यहां से इस बार एक्टर विक्रम मस्ताल को प्रत्याशी बनाया है. सीहोर जिले के स्ट्रांग रूम का शुक्रवार (24 नवंबर) को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने शासकीय महिला पॉलिटेकनिक कॉलेज पहुंचकर निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने सीहोर जिले की सभी चार विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाले मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों का अवलोकन किया.मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह ने मतगणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं और तैयारियों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया, साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही तैयारियों, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा.मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

अनुपम राजन ने इस निरीक्षण के दौरान मतगणना टेबल, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, डाक मतपत्रों की संख्या आदि के बारे में जानकारी ली. साथ ही मतगणना स्थल परिसर में रूके हुए निर्वाचन अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की और सीसीटीवी के माध्यम से कक्ष से ही स्ट्रांग रूम की मॉनीटरिंग संबंधी व्यवस्था को देखा.मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने निर्देश दिए कि विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना 3 दिसंबर को सुबह 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती के साथ शुरू होगी. सुबह 8.30 बजे से ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी. उन्होंने मतगणना के दिन विद्युत की सतत् आपूर्ति हो और किसी भी वजह से मतगणना प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.सीहोर में बने स्ट्रांग रुम के निरीक्षण पर अनुपम राजन ने निर्देश दिया कि मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू तरीके से उपलब्ध रहें. राजन ने मतगणना स्थल के निरीक्षण के पश्चात कलेक्ट्रेड के कोषालय के के स्ट्रांग रूम का अवलोकन कर डाक मतपत्र की सुरक्षा व्यवस्था बारे में जानकारी प्राप्त कीमुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने ईवीएम के लिए बनाए गए वेयर हाउस का भी निरीक्षण किया और निर्वाचन के पश्चात ईवीएम के रखने के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली. निरीक्षण के दौरान एसपी मयंक अवस्थी, जिला पंचायत सीईओ आशीष तिवारी, सहायक कलेक्टर अर्पित गुप्ता, अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह तथा एएसपी गीतेश गर्ग सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे

बाबा श्याम देव का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया

भजन गायक मंडली ने बाबा के भजनों को गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । एकादशी के दिन श्री श्याम देव बाबा जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर जगह जगह प्रसादी बाटी गई । शहर में सदर बाजार में भी भव्य खाटूश्याम नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में कीर्तन - भजन गाये गए । जब बिन बोले मिलता भजन गायक सजल मिश्रा ने भजनों की बहुत अच्छी प्रस्तुति दी, गायक शरद भाई ने बाबा के भजनों को गा के रिझाया और साथ में ही उमेश भाई ने भी भजनों में बहुत ही अच्छी भूमिका निभाई इसी के साथ बासु तोमर,आशीष शर्मा एवं अनूप शर्मा ने अच्छी संगत की । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल हुए और भक्तो ने भजनों पर भावविभोर होकर भजन गायक मंडली का तालिया बजाकर सहयोग किया ।

सतीश राठौर हुए राष्ट्रीय समाज रत्न से सम्मनित

सीहोर। राठौर छात्रीय समाज के राष्ट्रीय महासभा के प्रभारी उपाध्यक्ष (मध्यप्रदेश) एवं सीहोर राठौर समाज के अध्यक्ष सतीश राठौर का उज्जैन मे आयोजित समाज के भव्य कार्यक्रम मे राठौर समाज के समाज रत्न से सम्मनित किया गया। ज्ञातव्य है कि सतीश राठौर एक लम्बे समय से सीहोर राठौर क्षत्रीय के अध्यक्ष रहते हुऐ, भव्य रामजानकी मन्दिर का नव निर्माण, राठौर समाज की धर्मशाला की पुर्ननिर्माण, राठौर पार्क में वीर दुर्गदास की प्रतिमा, अखिल भारतीय राठौर समाज का समय ग्रहण समारोह विगत् दस वर्षो से लगातार समाज का ऐतिहासिक चल समारोह का नेतृत्व कर समाज की सामाजिक गतिविधियों का संचालन करते हुए समाजिक विवादों का आपसी सहमति से समभोक्ता कर विशिष्ठ कार्य किये है। इनके द्वारा समाज के प्रति ऐतिहासिक कार्य की प्रसंशा कर उज्जैन राठौर युवा संघर्ष मंच भारत द्वारा उन्हें राठौर समाज रत्न से सम्मनित किया गया। इनकी इस उपलब्धि पर राठौर समाज सीहोर के राजेन्द्र राठौर कक्का, त्रिलोक सिंह, राजेश राठौर, नरेन्द्र आर्य, चम्पालाल, राजेन्द्र खेरटिया, जितेन्द्र राठौर, अजय, प्रमोद राठौर, हर्षा राठौर, नूतन राठौर, हेमा, प्रेमलता राठौर, सुनीता, सुधीर गुरू, बलराज, गोविंद पहलवान सहित राठौर समाज के सभी वरिष्ठजन शामिल हैं।

खेलो इंडिया फुटबॉल फीडर सेंटर की चयन ट्रायल 25 एवं 26 को चर्च ग्राउंड में

सीहोर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेलो इंडिया फुटबॉल फीडर सेंटर की चयन ट्रायल 25 एवं 26 नवंबर को स्थानीय चर्च ग्राउंड सीहोर में सांय 3ः00 बजे से आयोजित की जा रही है। इस चयन ट्रायल में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। जिन खिलाईड़ों को इस चयन ट्रायल में भाग लेना है,वह खिलाड़ी स्थानीय चर्च ग्राउंड पर सांय 3ः00 बजे पहुंच कर कोच विपिन पवार से संपर्क कर सकते हैं। खिलाडियों को अपने साथ पांच पासपोर्ट साइज फोटो, मूल व जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड के साथ ही उनकी छायाप्रति लाना अनिवार्य है।

राजस्थान में भाजपा सरकार बनाने के लिए चलाया जागृति अभियान

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

मुम्बई. दिनांक 25 नवंबर को होने वाले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए मुंबई कार्यालय से भारतीय जनता पार्टी राजस्थान सेल के महामंत्री की ओर से राजस्थान में डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए जनता में जागृति अभियान अपना अमूल्य वोट किसी अन्य को न देके राष्ट हित में कमल के निशान पर बटन दबाए यह जनता को अवगत करवाने के लिए महामंत्री राजस्थान से मुंबई जितेंद्र चौधरी मुम्बई के अध्यक्ष आशीष शेलार एवं महाराष्ट्र के पालक मंत्री मंगल लोढ़ा, राजस्थान सेल के अध्यक्ष नरेंद्र भंडारी, महामंत्री जितेंद्र चौधरी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाल दिवस पर हुए रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

सीहोर। शारदा विद्या मंदिर स्कूल में इंटरनेशनल बाल दिवस मनाया गया। बाल दिवस के अवसर पर बालकों के लिये सभी शिक्षकों ने डांस, गीत, नाटक, भाषण और कई रंगारग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कक्षा बारहवी के बच्चों ने बाल दिवस पर स्कूल प्राचार्य को उपहार में पौधे प्रदान किये, जिनको स्कूल परिसर में लगाया गया और अपने जूनियर छात्र-छात्राओं को भी इस दिन एक पेड़ लगने हेतु मोटिवेट किया ताकि बच्चों की शिक्षा उपरांत उन्हें याद किया जा सके। स्कूल के टीचर्स ने बच्चों की भांति रूप धारण कर मनोरंजनात्मक प्रस्तुति दी और नाटक के जरिए बच्चों को संदेश दिये कि पढ़ाई के समय सिर्फ पढ़ाई और खेल व मनोरंजन के लिये भी एक समय सुनिश्चित करें। स्कूल प्राचार्य श्रीमति भारती शर्मा ने शिक्षकों की प्रस्तुत को सराहा और आगे भी बच्चों के लिए मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही एवं सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाऐं प्रेषित की।

श्री खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर विशाल भण्डारा एवं भजन संध्या का हुआ भव्य आयोजन

सीहोर। श्री खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर भजन गायिका ममता गुप्ता के निज निवास वर्कशॉप रोड गल्ला मण्डी सीहोर में दिनांक 23 नवम्बर को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर श्री श्याम का भव्य श्रंगार किया गया, अखण्ड ज्योति प्रज्वलित की गई, इत्र की वर्षा की गई एवं छप्पन भोग चढ़ाकर भजन गायिका ममता गुप्ता एवं भजन गायिका सारिका इंगले भोपाल के द्वारा भजन संध्या में सुमधुर भजनों की मनमोहक प्रस्तुती दी, जिस पर बड़ी संख्या में उपस्थित धर्मप्रेमी माताओं बहनों के द्वारा भजनों पर जमकर नृत्य कर धर्मलाभ प्राप्त किया। सभी भक्तों ने जनमानस के लिये सुख समृद्धि की कामना की। शुक्रवार, 24 नवम्बर को विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

मतों की गणना प्रेक्षक करेंगे क्रॉस चेक

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

भारत निर्वाचन आयोग ने मतगणना की विशुद्धता सुनिश्चित करने के लिए इस विधानसभा चुनाव में मतों की गणना के प्रत्येक चक्र के अंत में दो मतदान केन्द्रों की ईव्हीएम मशीनों का रेण्डम आधार पर चयन करने तथा गिनती की पुनः जांच करने के निर्देश दिये हैं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक मतगणना की विशुद्धता की जांच के लिए रेण्डम आधार पर दो ईव्हीएम का चयन कर दोबारा गिनती करने की यह कार्यवाही आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षकों द्वारा सम्पन्न कराई जायेगी। इस कार्य में प्रेक्षकों की सहायता हेतु रिजर्व पूल में रखे गये गणना सुपरवाईजरों एवं गणना सहायकों का चयन किया जायेगा। गणना सुपरवाईजरों और गणना सहायकों का यह चयन भी रेण्डम आधार पर होगा। निर्वाचन आयोग ने रेण्डम आधार पर चयनित की गई ईव्हीएम मशीनों से मतों की गणना के लिए उसी मतगणना कक्ष में अलग से व्यवस्था करने के निर्देश भी दिये हैं। निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक उन्हें उपलब्ध कराये गये अतिरिक्त मतगणना कर्मचारियों की सहायता से रेण्डम आधार पर की गई जांच में प्रत्येक अभ्यर्थी को प्राप्त मतों की गिनती से संतुष्ट हो जाने के बाद ही उस चक्र की मतगणना परिणाम पत्र पर प्रतिहस्ताक्षर करेंगे।आयोग के मुताबिक रेण्डम आधार पर चयनित ईव्हीएम मशीनों पर पड़े मतों की दोबारा की गई जांच में यदि किसी गणना कर्मी को गलत नोट करते पाया जाता है तो उसे तुरंत गणना कार्य से हटा दिया जायेगा तथा दूसरे गणना कर्मी को उसके स्थान पर प्रतिस्थापित किया जायेगा। गलती करने वाले कर्मचारी पर बाद में उसकी भूल-चूक के लिए गंभीर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

श्री रामकृष्ण रामलीला कला मंडल के कलाकारों द्वारा सीता हरण का किया गया मंचन

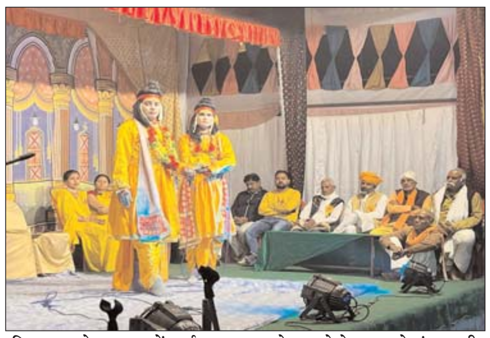

पुष्पांजली टुडे
संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर नगर ब्रज पब्लिक स्कूल का खेल मैदान भारतीय स्टेट बैंक वाली गली में आयोजित रामलीला में शुक्रवार की रात्रि दरमियां सीता हरण का कलाकारों ने किया मंचन जहा भगवान श्री राम अपने भाई लक्ष्मण के साथ पंचवटी पर बैठे हुए थे उसी समय रावण की बहन सूर्पनखा ने श्री राम से शादी का प्रस्ताव रखा श्री राम ने कहा कि हमारी तो शादी हो गई हमारे छोटे पर भाई लखन से जाकर बात कर लो जब सूर्पनखा लक्ष्मण के पास पहुंची तो उसके और कहा कि मुझसे शादी करोगे यह सुनकर लक्ष्मण क्रोधित हो गए और उन्होंने शूर्पणखा के नाक कान दोनों काट लिए जब ऐसा हाल में सूर्पनखा अपने भाई खर-दूषण पास पहूंची है घर और दूसरा युद्ध के लिए आते हैं लक्ष्मण और श्री राम ने खर दुसण का वध कर दिया इसकी खबर लेकर अपने भाई रावण के पास पहुंची तो रावण ने छ्ल से माता-सीता का हरण कर लिया सीता कारण होने के बाद श्रीराम सीता जी के वियोग में रोने लगे उसको देखकर पूरे पंडाल की आंखें नम हो गई इस शुभ अवसर पर मौजूद रहे युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा एवं मालनपुर नगर परिषद की पार्षद ब्रजपब्लिक स्कूल संचालक मनोज शर्मा, कृष्ण मुरारी मिश्रा सुरेंद्र कांकर राम बाबू शर्मा, उदय भान पाराशर, कमलेश शर्मा, धर्म बीर शर्मा, आदि लोग मौजूद रहे

नगर परिषद द्वारा नगर में निरंतर जारी है जलकर एवं समेकित/सम्पत्ति कर वसूली अभियान।

मुंगावली -दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता जितेंद्र राय

-नगर परिषद मुंगावली द्वारा नगर परिषद सीएमओ विनोद उन्नितान के निर्देश पर मंगलवार से नगर में जलकर वसूली एवं समेकित संपत्ति कर वसूली अभियान प्रारंभ किया गया है शुक्रवार को भी वसूली टीम द्वारा घर-घर जाकर बकायादारों से जलकर एवं संपत्ति कर की रसीद देखी जा रही हैं टैक्स जमा न होने पर नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है एवं सम्पत्ति कर जमा न होने पर सम्पत्ति कुर्की कार्यवाही भी की जाएगी प्रत्येक वार्ड में दल बनाये गए हैं जो निरंतर वसूली कार्यवाही करेंगे। जो कि प्रतिदिन प्रत्येक वार्ड में निरंतर जारी रहेगी । जल कर वसूली प्रभारी नवेद काजी एवं राजकुमार विश्वकर्मा द्वारा जलकर वसूली कार्यवाही की गई जल कर वसूली टीम में नवेद काजी राजकुमार विश्वकर्मा अजय राजपूत समेकित सम्पत्ति कर टीम में देवेन्द्र राजपूत धनसिंह मोगिया शैलेष अग्रवाल अनिल नामदेव श्रीराम चिढार मनोज तामरे अमित पवार जितेन्द्र तामरे आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने दिये खाद की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और परिवहन को रोकने के निर्देश

जिले के बाहर उर्वरकों के परिवहन पर प्रतिबंध

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, उर्वरक निरीक्षकों एवं सभी थाना प्रभारियों को जिले में उर्वरक की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, परिवहन सहित औद्योगिक एवं गैर कृषि कार्यों में उर्वरकों के उपयोग को रोकने कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। उन्होने जारी निर्देशों में कहा है कि जिले में रबी फसलों की बोनी का कार्य प्रगति पर है। कृषकों को कृषि कार्य के लिये पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हो सके। इसके लिये आईएफएमएस पोर्टल पर प्रदर्शित स्कंध के अनुसार भौतिक सत्यापन करें। साथ ही अपने-अपने क्षेत्र में उर्वरक की उपलब्धता और मांग पर भी सतत निगरानी बनाये रखें। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिये है कि उर्वरकों के अनुचित उपयोग और उर्वरक व्यवस्था को सुगम बनाये रखने के लिये संयुक्त सघन अभियान चलाया जाये। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि जिले का आवंटित उर्वरकों की मात्रा का सीमावर्ती जिले या राज्य में परिवहन नहीं होने पाये। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने जिले से बाहर उर्वरकों के परिवहन पर भी रोक लगा दी है। उन्होने उर्वरक व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि रैक प्वाईट्स से प्राप्त होने वाले उर्वरक (जिला विपणन अधिकारी सतना एवं थोक विक्रेताओं) की मात्रा का भी भौतिक सत्यापन कर नियमानुसार सुचारु रुप से उर्वरक का वितरण कराना सुनिश्चित करें। उर्वरक नियंत्रण के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने एवं अनियमितता बरतने वाले संबंधितों के विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्यवाही करना भी सुनिश्चित करे।

त्रुटिहीन और पूरी गंभीरता से करें मतगणना कार्य– कलेक्टर

मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने मतगणना कार्य में संलग्न सभी कार्मिकों से कहा है कि विधानसभा चुनाव की मतगणना का कार्य त्रुटिहीन और पूरी गंभीरता से करें। कलेक्टर ने गुरुवार को जिला पंचायत सभागार सतना में चल रहे माइक्रो आब्जर्वर, गणना सुपरवाइजर और गणना सहायकों के प्रशिक्षण का जायजा लिया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल प्रशिक्षण डॉ परीक्षित झाड़े, मास्टर ट्रेनर डॉ बीके गुप्ता, बीएल बागरी भी उपस्थित थे।कलेक्टर एपं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना कार्मिकों से कहा कि चुनाव आयोग की मंशा है कि मतगणना की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो। सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी गंभीरता के साथ मतगणना के लिये आवश्यक बारीकियों के बारे में समझ लें। ताकि मतगणना प्रक्रिया निर्विवाद और निर्विघ्न संपन्न हो। उन्होने कहा कि मतगणना का कार्य भी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतगणना में कंट्रोल यूनिट में दर्ज वोटों की गिनती के साथ डाकमत पत्र, ईटीपीबीएस के अलावा रेंडम आधार पर चयनित किसी एक वीवीपैट की स्लिपों की भी गणना की जाएगी। गणना की प्रक्रिया को सभी भली-भांति समझ ले। कहीं कोई शंका हो तो उसका निवारण भी कर लें। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि

निर्वाचन का अंतिम पड़ाव मतगणना है और किसी भी चीज का परिणाम महत्वपूर्ण होता है। अतः आयोग द्वारा मतगणना के लिये जारी किये अनुदेशों एवं लागू किये गये नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए पूरी गंभीरता के साथ मतगणना का कार्य करें। मतगणना के दौरान मतगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारियों को न केवल निष्पक्ष रहना है, बल्कि निष्पक्ष दिखना भी है। उन्होंने सभी अधिकारियों को मतगणना की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन-2023 की मतगणना 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती के साथ शुरू होगी। सुबह 8:30 बजे से ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी।प्रशिक्षण में सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े ने मतगणना संबंधी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया तथा गणना पर्यवेक्षक व गणना सहायकों की शंकाओं का समाधान भी किया। डाक मत पत्रों की मतगणना के संबंध में विस्तार से समझाइश दी। उन्होने बताया कि पहले डाक मतपत्रों की गणना होगी। डाकमत पत्रों की गणना शुरू होने के तीस मिनट बाद ईवीएम से मतगणना शुरू हो सकेगी। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि वीवीपैट की गिनतियों के समय विधानसभावार अभ्यर्थियों की संख्या के अनुरुप ट्रे के खानों में पर्चियां रखनी हैं और इसके 25-25 के बंडल बनाने हैं। पर्चियां गिनते समय नीचे नहीं गिरने दें, यदि कोई पर्ची जमीन पर गिर गई है तो एजेंटो के संज्ञान में लाकर ही उसे उठायें। उन्होने गणना कक्षों में प्रवेश से लेकर गणना कार्य और कार्य समाप्त होने के बाद बाहर जाने तक की प्रक्रिया की जानकारी दी। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स ने भी मतगणना से संबंधित व्यवस्थाओं के अलावा मतगणना संबंधी प्रावधानों व आयोग के दिशा-निर्देशों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर्स डॉ बीके गुप्ता ने बताया कि गणना टेबल पर ईवीएम की सीयू यूनिट आने पर सबसे पहले टोटल का बटन दबाकर दर्ज मतों को मिलान मतपत्र लेखा 17'ग' से करें। मिलाने में कोई विसंगति होने पर तत्काल रिटर्निंग ऑफिसर को बतायें। उन्होने कहा कि एक चक्र की गणना के बाद 17'ग' भाग-2 की प्रविष्टि में राउंड क्रमांक अवश्य डालें। जिससे ईवीएम का सत्यापन प्रमाण पत्र जारी करने में आसानी हो।

हत्या के प्रयास के मामले में महीनों से फरार आरोपियों को बैरसिया पुलिस ने किया गिरफ्तार...

चार आरोपियों पर था दो-दो हजार का इनाम..

--चुनावी माहौल में व्यस्ततम ड्यूटी के उपरांत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गंभीर अपराधों का शत प्रतिशत निराकरण हेतु क्षेत्रीय पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है। जिसके तहत पंकज दीक्षित एसडीओपी बैरसिया के निर्देशन में बैरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र कुलस्ते द्वारा पुलिस टीम का गठन कर फरार आरोपियों की धरपकड़ की जा रही है। जिसके तहत वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निर्देशित करने पर थाना बैरसिया में दर्ज अपराध क्रमांक 536/23 धारा

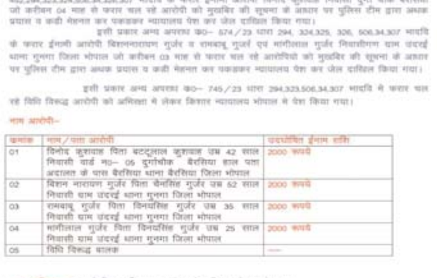

हत्या के प्रयास के मामले मे करीबन कई महिनो से फरार ईनामी आरोपियो को थाना बैरसिया पुलिस ने पकडा

भोपाल :- दिनांक 23.11.2023

नाम आरोपी–

क्रमांक	नाम / पता आरोपी	उदघोषित ईनाम राशि
01	विनोद कुशवाह पिता बटटूलाल कुशवाह उम्र 42 साल निवासी वार्ड नं0– 06 दुर्गाचौक बैरसिया हाल पता अदालत के पास बैरसिया थाना बैरसिया जिला भोपाल	2000 रूपये
02	बिशन नारायण गुर्जर पिता चैनसिंह गुर्जर उम्र 52 साल निवासी ग्राम उंदरई थाना गुनगा जिला भोपाल	2000 रूपये
03	रामबाबू गुर्जर पिता बिन्दसिंह गुर्जर उम्र 35 साल निवासी ग्राम उंदरई थाना गुनगा जिला भोपाल	2000 रूपये
04	मांगीलाल गुर्जर पिता बिन्दसिंह गुर्जर उम्र 25 साल निवासी ग्राम उंदरई थाना गुनगा जिला भोपाल	2000 रूपये
05	विधि विरूद्ध बालक	----

अहम भूमिका– थाना बैरसिया पुलिस व सायबर सेल जिला भोपाल देहात।

452,294,323,324,506,34,326,307 भादवि के फरार ईनामी आरोपी विनोद कुशवाह निवासी दुर्गा चौक बैरसिया जो करीबन 4 माह से फरार चल रहा था उसे मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पृथक प्रयास कर पकड़ कर न्यायालय में पेश किया यहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया ।वहीं इसी प्रकार अन्य अपराध क्रमांक 574/23 धारा 294,324,325,326,506,34,307 भादवि के फरार इनामी आरोपी बिशननारायण गुर्जर , रामबाबू गुर्जर एवं मांगीलाल गुर्जर निवासी ग्राम उंदरई थाना गुनगा जिला भोपाल जो करीबन 3 माह से फरार चल रहे थे आरोपियों को मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पकड़कर न्यायालय में पेश किया यहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया। वहीं एक अन्य अपराध क्रमांक 745/ 23 धारा 294 , 323, 506, 34, 307 भादवि में फरार चल रहे विधि विरुद्ध आरोपी को अभिरक्षा में लेकर किशोर न्यायालय भोपाल में पेश किया गया। आपको बता दें कि चारों ही आरोपियों पर दो - दो हजार का इनाम घोषित किया गया था ।वही पुलिस की इस सफलता में थाना बैरसिया पुलिस व साइबर सेल जिला भोपाल देहात की अहम भूमिका रही।

श्री दिव्य साई मंदिर में मनाया गया सत्य साई बाबा का 98वा जन्मोत्सव

नारायण सेवा के साथ पूजन अर्चन कर मनाया सत्य साई बाबा का जन्मोत्सव

चौरई : आज गुरुवार के दिन श्री दिव्य साई मंदिर चांद रोड चौरई में श्री सत्य साई बाबा का 96वां जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया ! प्रातः 9 बजे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे मरीजो को फल वितरण कर नारायण सेवा की गई ! श्री दिव्य साई मंदिर में सुबह 10 बजे से ओंकारम के साथ श्री सत्य साई बाबा की पूजा आराधना प्रारम्भ की गई जो गायत्री मंत्र, साई गायत्री मंत्र, साई भजन, साई संदेश के बाद महाआरती पूजन कर बाबा के महाप्रसाद वितरण कर सम्पन्न हुई ! कार्यक्रम में भारी मात्रा मे श्रद्धांलू भक्त के कमलों से सत्य साई बाबा के जन्मोत्सव का केक कटवाकर जन्मोत्सव मनाया गया ! परिवेश मे सनातन धर्म की सत्य साई बाबा जैसे सद्गुरु देव के संदेश, उनके वचन, उनकी प्रेरणाओ, उनके उपदेशों की हमें बहुत आवश्यक्ता है ! साथ ही उनके उपदेशों उनकी प्रेरणाओ के पालन करने की सख्त आवश्यक्ता है ! सत्य साई बाबा ने हमेशा से देश मे प्रेम की गंगा बहाई है ! और ÷मानव सेवा ही - माधव सेवा है÷ ÷सबसे प्रेम करो - सबकी सेवा करो÷ जैसे उच्च अनुकर्णीय विचार हमे दिया है ! उपस्थित साई भक्तों के द्वारा श्री सत्य साई बाबा के जन्मोत्सव पर बाबा से सभी के लिए मंगल कामना कर एक दूसरे को बधाई प्रेषित की गई ! योजना समिति द्वारा श्री सत्य साई बाबा का जन्मोत्सव प्रबोधिनी एकादशी के शुभ दिवस पर फलाहारी भंडारा प्रसाद का वितरण किया गया !उक्त जन्मोत्सव कार्यक्रम में क्षेत्र के सुधाकर रेड्डी, डी के पालीवाल, सुरेश शर्मा, राजवंश ठाकुर, नगर पालिका सभापति महेंद्र वर्मा, पंचम वन्देवार, दिनेश सौरठ, भानु प्रताप यादव, अनीश डेहरिया, सुरेंद्र राय, सौरभ ठाकुर, रूपकुमार डेहरिया, हेमन्त सोनी, बाबा वर्मा, मिंटू साहू, पत्रकार, भूजेंद्र शर्मा,चौरई प्रेस क्लब अध्यक्ष अजय सेन, ममता चौधरी, छाया वर्मा, अरुणा रोतेले, मीना ठाकुर, मेडम पालीवाल, सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी बंधु एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे !

श्री पाटनवाड़ा 27 परगना गुरु ब्राह्मण समाज ट्रस्ट आयोजित श्री पाटनवाड़ा 27 परगना संकुल उद्घाटन समारोह का आयोजन किया

पाटन ब्यूरो दैनिक पुष्पांजली टुडे

उंझा/गुजरात। श्री पाटनवाड़ा 27 परगना गुरु ब्राह्मण समाज ट्रस्ट द्वारा उंझा द्वारा श्री पटनवाड़ा 27 परगना संकुल का उद्घाटन समारोह आयोजित किया जिसमें मुख्य दाता श्री कनुभाई एन नागर (वालम) विशेष रूप से उपस्थित थे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। संकुल का उद्घाटन श्री कनुभाई नागर एवं परिवार द्वारा किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि/विशेष अतिथि श्री कनुभाई एन. नागर (वालम), श्री नटवरभाई ए. नागर (वालम), श्री मुकुंदभाई डी. नागर (वालम), श्री विठ्ठलराय बी. श्रीमाली (बालिसाना), थे।

श्री सुरेशभाई पी. गांधी (एसपी)

उंझा, श्री सुमीरभाई के. सक्सैना

(उनावा), अध्यक्ष/महामंत्री, श्री पाटनवाड़ा बावन परगना ट्रस्ट, अध्यक्ष/महामंत्री, श्री पाटनवाड़ा सामल परगना ट्रस्ट, अध्यक्ष/महामंत्री, श्री पाटनवाड़ा सौ परगना ट्रस्ट आदि हजारों गणमान्य लोग उपस्थित थे।महंतश्री वचनदास बापू श्री तेजानंद स्वामी गादी, शंखेश्वर महंतश्री लक्ष्मणदास बापू श्री वेल साहेब की गादी, उंझा महंतश्री मनीष बापू श्री बालक साहेब की गादी, छठियारड़ा ने आशीर्वचन दिए।दानदाताओं एवं उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का भी सम्मान किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन विनोद श्रीमाली (सुनोक) ने किया।

कोरिया 7 साहिल अंसारी विधानसभा निर्वाचन 2023,14 टेबलों पर 17 राउण्ड में होगी मतगणना,3 दिसम्बर को निकलेगा प्रत्याशियों के परिणाम

बैकुंठपुर विधानसभा निर्वाचन क्रमांक 03 का मतदान 17 नवम्बर को सम्पन्न हो गया है। अब प्रदेश व जिले के मतदाता अपने दिए वोट का परिणाम जानने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।यह इंतजार खत्म होगा 3 दिसम्बर को, क्योंकि इसी दिन मतगणना होना है। बैकुंठपुर विधानसभा में 8 प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाया है।बैकुंठपुर के रामानुज हायर सेकेंडरी स्कूल को स्ट्राँग रूम बनाया गया है। ईवीएम मशीन को कड़ी सुरक्षा व चाक चौबंद के बीच कमरे को ताला-सील से बंद किया गया है और 24 घण्टे सुरक्षा जवान तैनात हैं।कोरिया के उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नंदिनी साहू ने बताया कि 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी। बैकुंठपुर विधानसभा निर्वाचन के तहत 228 मतदान केंद्र बनाए गए थे। 14 मतगणना टेबल बनाया जाएगा और 17 राउंड में मतगणना होगी। सभी टेबलों पर काउंटिंग सुपरवाइजर, पर्यवेक्षक, माइक्रो आब्जर्वर होंगे। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता इंतजाम के लिए जिला पुलिस बल, छत्तीसगढ़ सशत्र बल व केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान तैनात रहेंगे।

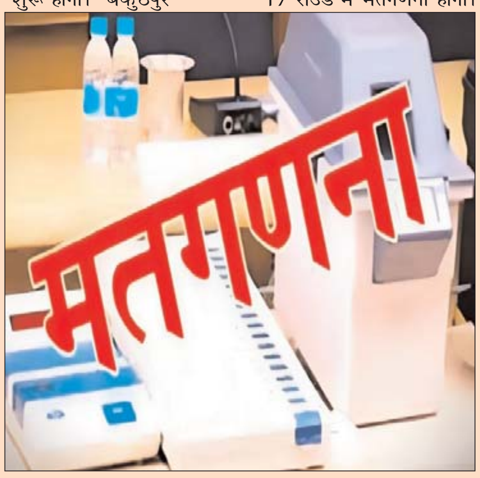

बैकुंठपुर विधानसभा में 81.94 प्रतिशत मतदान- 17 नवम्बर को बैकुंठपुर विधानसभा क्रमांक 03 में 228 मतदान केंद्रों में मतदान हुआ है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 84 हजार 47 है, जिसमें 69 हजार 282 मतदाताओं ने मतदान की है, इसी तरह महिला मतदाता 84 हजार 29 है, जबकि 68 हजार 441 ने मतदान की और 3 तृतीय लिंग मतदाताओं ने मतदान किए हैं। इस तरह 1 लाख 68 हजार 81 मतदाताओं में से 1 लाख 37 हजार 726 मतदाताओं ने मतदान किए थे। इस तरह इस विधानसभा का मतदान प्रतिशत 81.94 प्रतिशत रहा है।

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए जल्द होगी सड़कों पर रम्बल स्ट्रिप्स

मनेंद्रगढ़-अम्बिकापुर मार्ग में ब्लेक स्पॉट का होगा चिन्हांकन लापरवाही-नशा-ओवरटेकिंग बन रहा है दुर्घटना का कारण-श्री तिवारी

राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में एमसीबी जिले के बरबसपुर में मोटरसाइकिल सवार व कार के आमने-सामने भिड़ंत होने से पांच लोगों की असमय मृत्यु हुई है। राष्ट्रीय राजमार्ग अम्बिकापुर के ईई श्री नितेश तिवारी ने मृत परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा यह दुर्घटना बेहद विचलित करने वाला है। श्री तिवारी से बात करने पर जानकारी दी कि हाइवे सड़को पर ब्रेकर नहीं बनाया जा सकता लेकिन वाहनों को धीमी करने के लिए बाजार, चौक- चौराहे, स्कूल, अस्पताल, अंधा मोड़ जैसे उपयुक्त स्थानों पर रम्बल स्ट्रीक लगाया जाएगा ताकि चालक, वाहन को धीरे कर सकें इसके लिए शासन को प्रस्ताव बनाकर भेजे भी गए हैं।

रम्बल स्ट्रिप्स क्या है -सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए रंबल स्ट्रिप्स एक प्रभावी उपाय है।

रंबल स्ट्रिप्स से उत्पन्न शोर और कंपन ड्राइवरों को यात्रा मार्ग छोड़ते समय सचेत कर देते हैं। रात में रेट्रोरिफ्लेक्टिव कोटिंग होने के कारण वाहनों चालको को आसानी से दिखाई पड़ती है।उन्होंने जानकारी दी कि फिलहाल इस मार्ग पर ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन नहीं किया गया, लेकिन जिस तरह से भीषण सड़क दुर्घटना व जानमाल का नुकसान हुआ है, ऐसे में बहुत जल्दी ब्लैक स्पॉट का भी चिन्हांकन किया जाएगा ताकि ऐसे सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

क्या है ब्लैक स्पॉट -कोई सड़क दुर्घटना के लिहाज से बेहद संवेदनशील और जहां बार-बार दुर्घटनायें होती रहती हों, उसे ब्लैक स्पॉट घोषित की जाती हैं।

ईई श्री तिवारी ने लोगों से अपील भी की है कि वाहन सावधानी से चलाएं व तेजगति में वाहन न चलाये। राष्ट्रीय राजमार्ग 43 सड़क चौड़ी व यातायात का दबाव नहीं होने के कारण चालको द्वारा बहुत तेजी से वाहन चलाते हैं, ओवर टेकिंग के चक्कर में वाहन से नियंत्रण खोते ही दुर्घटना होने की आशंका बढ़ होती है।

शराब व अन्य नशा करके वाहन चलाने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे लोग स्वयं, परिवार अन्य लोगो को भी मुसीबत में डालते हैं। सड़क दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए बिल्कुल भी नशे की हालत में वाहन नहीं चलायें। उन्होंने सभी वाहन चालकों से कहा है कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट और हेलमेट का उपयोग जरूर करें।

भिंड कलेक्टर ने भाजपा का एजेंट बनकर किया है चुनाव में काम : डॉ. गोविन्द सिंह

चुनाव आयोग को शिकायत पत्र सौपा

भोपाल/भिण्ड । नेता प्रतिपक्ष व लहार विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. गोविंद सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त चुनाव आयोग दिल्ली एवं चुनाव आयुक्त भोपाल मध्यप्रदेश को लिखित शिकायत पत्र सौपते हुए कहा कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड संजीव श्रीवास्तव के रहते आगामी 03 दिसम्बर 2023 को होने वाली मतगणना की निष्पक्षता में संदेह होने की प्रबल संभावना है । डॉ. सिंह ने कहा कि चुनाव के दौरान लहार विधानसभा क्षेत्र क्र.11 में श्री श्रीवास्तव द्वारा एकपक्षीय होकर भाजपा के एजेण्ट के रूप में कार्य किया है। यदि इनके रहते मतगणना होती है, तो मतदान के आंकड़ों में हेरफेर कर चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं ।डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि चुनाव के समय इनके द्वारा की गई भेदभावपूर्ण कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों के संबंध में जानकारी निम्नानुसार है ।

(1) जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर भिण्ड संजीव श्रीवास्तव द्वारा अपनी पदस्थापना के समय से ही अपने अधीनस्थ अधिकारियों से यह पूछते रहे कि डॉ. गोविन्द सिंह विधानसभा क्षेत्र लहार से लगातार 07 बार किस प्रकार चुनाव जीतते रहे, इसकी गोपनीय जानकारी से उन्हें अवगत कराया जाए ।

(2) जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड द्वारा साजिशन विधानसमा क्षेत्र लहार में निर्वाचन ड्यूटी में लगे शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों को मताधिकार से वंचित किया गया । जबकि कर्मचारियों द्वारा मतदान हेतु फार्म 12 जमा करने के बाद भी किसी भी कर्मचारी को पावती नहीं दी गई और न ही उन्हें मतपत्र जारी किए गए । उक्त कर्मचारियों को दिनांक 10 नवम्बर 2023 से 15 नवम्बर 2023 तक सहायक रिटर्निंग ऑफिसर लहार के कार्यालय में मतदान करना था। ऐसे कर्मचारी जो ड्यूटी में संलग्न थे और उनके पास ड्यूटी प्रमाण पत्र भी था, लेकिन डाक मतपत्र सूची (ई.डी.सी. लिस्ट) में उनका नाम नहीं होने से लगभग 500 - 600 शासकीय कर्मी मतदान से वंचित रह गए। सुरक्षा कार्य में संलग्न अनेक थाना प्रभारी/हेड कांस्टेबल एवं आरक्षकों को भी मतपत्र जारी नहीं किए जाने से वे मताधिकार से वंचित रह गए। इस संबंध में कांग्रेस पार्टी के चुनाव अभिकर्ता द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भारत निर्वाचन मध्यप्रदेश, जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर भिण्ड एवं प्रेक्षक विधानसभा क्षेत्र क्र. 11 लहार जिला भिण्ड एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी विधानसभा क्षेत्र लहार को लिखित में शिकायत की गई । इसके बाद भी चुनाव कार्य में संलग्न शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों को मताधिकार से जानबूझकर वंचित किया गया।

विधानसभा क्षेत्र क्र. 11 लहार जिला भिण्ड के निर्वाचन कार्य में लगे शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा डाले गए डाक मतपत्रों को कोषालय में जमा नहीं किया । इस संबंध में मेरे द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर भिण्ड संजीव श्रीवास्तव से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसका पता नहीं है। इसकी शिकायत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भारत निर्वाचन मध्यप्रदेश को करने के बाद लहार की आई.टी.आई. में एक खुली आलमारी में डाक मतपत्र पाए गए । जिसमें कई लिफाफे खुले हुए थे । इसके एक दिन बाद उक्त डाक मतपत्र कोषालय भिण्ड में जमा कराए गए।

भिण्ड जिले के अन्तर्गत 05 विधानसमा क्षेत्र है एवं सम्पूर्ण जिले में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान की जिम्मेदारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर भिण्ड संजीव श्रीवास्तव की है। परन्तु श्री श्रीवास्तव मतदान के दिन दिनांक 17/11/2023 को पूरे समय लहार विधानसभा क्षेत्र में ही रहे। इनके निर्देश पर मतदाताओं से परिचय पत्र एवं आधार कार्ड एवं अंगुली के निशान आदि के नाम पर प्रताड़ित किया गया, जिससे बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सके । मतदान केन्द्र क्र.50 धनुपुरा एवं मतदान केन्द्र क्र.45 गांध में अनेक मतदाताओं के साथ मारपीट की गई, जिससे अनेक मतदाता, मतदान नहीं कर सके इसी प्रकार कांग्रेस पार्टी के चुनाव एजेण्टों को मतदान केन्द्र से बाहर बैठा रखा गया जिससे पीठासीन अधिकारियों द्वारा कलेक्टर के निर्देश पर भाजपा के पक्ष में फर्जी मतदान कराया गया। मतदान केन्द्र के भीतर क्या हो रहा है,इससे कांग्रेस पक्ष के अभिकर्ताओं को वंचित रखा गया। डॉ. सिंह ने बताया कि इसकी शिकायत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश, जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी लहार को की गई। विधानसभा क्षेत्र क्र. 11 लहार जिला भिण्ड में निर्वाचन कार्य में लगे शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों के पोस्टल बैलेट जमा नहीं किए जाने के संबंध में कांग्रेस पार्टी के निर्वाचन अभिकर्ता नरेश सिंह चौहान एडवोकेट द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, प्रेक्षक विधानसभा क्षेत्र क्र. 11 लहार, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी को शिकायतें की गई । शिकायतों की छायाप्रति संलग्न है

प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मेलन को लेकर अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति ?सारबिला की बैठक नगर स्थित गुरु घांसीदास पुष्प वाटिका में 24 नवंबर शुक्रवार को होगी

सारंगढ़ । छत्तीसगढ़ के पत्रकारों के सबसे बड़े संगठन व पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर पूरे देश में आवाज ?बुलंद कर? छत्तीसगढ़ में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने में संघर्षरत रहीं अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ ईकाई के सारंगढ़ बिलाईगढ जिले के द्वारा प्रतिवर्ष वृहद स्तर पर पत्रकारों का सम्मान समारोह व विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है इस वर्ष भी अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ ईकाई के सारंगढ़ बिलाईगढ जिले ईकाई द्वारा आगामी नये वर्ष में प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह व कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा इस संबंध में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति सारबिला की एक आवश्यक बैठक आज दिनांक 24/11/2023शुक्रवार को सारंगढ़ नगर स्थित गुरु घासीदास पुष्प वाटिका में दोपहर 02 बजे आहूत किया गया है जिसमें अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति सारंगढ़ बिलाईगढ जिला मुख्यालय के पत्रकारों के साथ ही जिले के बिलाईगढ भटगांव सरसींवा कोसीर बरमकेला सरिया क्षेत्र से बड़ी संख्या में सारबिला के पत्रकार साथी शामिल होंगे जहां कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार किया जाएगा।

सम्पादकीय

यात्रीगण ध्यान दें

अगले तीन-चार वर्षों में हर यात्री को कन्फर्म टिकट देने की योजना को लेकर अगर रेलवे सचमुच गंभीर है तो यह अच्छी बात है। रेल मंत्री की ओर से मीडिया को दी गई सूचनाओं के मुताबिक न केवल देश की तमाम कोच फैक्ट्रियों में दिन-रात काम किया जा रहा है बल्कि ट्रेन की स्पीड बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब पर्व-त्योहारों के कारण रेलगाडि़यां ठसाठस भरी हुई है और लोग अमानवीय हालात में यात्रा करने को मजबूर हैं। और, यह कोई नई या अनोखी बात नहीं। गर्मी की छुट्टियों या त्योहारों के आसपास ऐसे दृश्य अक्सर दिख जाते हैं। साफ है कि ट्रेन आज भी अपने देश में आम लोगों की यात्रा का सबसे सरल और सहज साधन है। ऐसे में रेलवे को सबके लिए सुलभ, आसान और सुविधाजनक बनाना एक ऐसा लक्ष्य है, जो हर सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। मगर सचाई यह है कि प्रायः सभी सरकारें इसे चलताऊ ढंग से लेती रही हैं। ऐसे में जब रेलवे की ओर से इतने बड़े लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए काम करने की बात आई है तो इसका स्वागत करते हुए भी यह नहीं भुलाया जा सकता कि यह बेहद कठिन है। इसके लिए न केवल ट्रेनों की संख्या में भारी इजाफा करना होगा बल्कि रेल पटरियों का भी अप्रत्याशित तेजी से विस्तार करना होगा। हालांकि रेलवे की इस योजना पर एक गौर करने से यह जरूर साफ होता है कि इसमें मौजूदा स्थिति और टारगेट के बीच के अंतर पर अच्छी तरह से विचार किया गया है। ऐसे में सवाल सिर्फ यह है कि इस अंतर को भरने की दिशा में पर्याप्त तेजी दिखाई जा सकेगी या नहीं। यानी अगर तय लक्ष्य तक चार साल में पहुंचना है तो इस बीच हर साल 4000-5000 किलोमीटर की नई पटरियां बिछाई जा सकेंगी या नहीं। ट्रेनों की संख्या के मामले में यह हिसाब ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आता है। चार साल में 3000 नई ट्रेनें शुरू करने का मतलब है रोज दो नई ट्रेनें शुरू करनी होंगी। देखना होगा कि यह सिलसिला कितनी जल्दी शुरू होता है और कब तक चलता है। ऐसे ही रेलवे ने हिसाब लगाया है कि इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए गाडि़यों की रफ्तार में भी इजाफा करना होगा ताकि सफर का वक्त बचे। गाडि़यों के ठहरने और गति पकड़ने का टाइम पुल और पुश टेकनॅलजी के जरिए बचाया जा सकता है और कहते हैं कि उस पर काम भी हो रहा है। मगर दो दिन पहले आई एक रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल के मुकाबले इस साल देश में ट्रेनों की औसत गति बढ़ने के बजाय पांच किलोमीटर प्रति घंटा कम हो गई। ऐसे में यही उम्मीद की जा सकती है कि रेलवे की यह नई योजना चुनावी सब्जबाग का हिस्सा न हो, इसे ठोस रूप में अमली जामा पहनाया जाए।

राजस्थान में अब अशोक गहलोत के वादों पर एतबार नहीं कर रहे लोग

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा का चुनावी संग्राम अंतिम दौर में पहुंच चुका है। सभी राजनीतिक दलों के नेता अपनी-अपनी पार्टी के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले दो वर्षों से कह रहे हैं कि हम राजस्थान में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज तोड़ेंगे और लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित करेंगे। इसके लिए अशोक गहलोत साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपना रहे हैं। यहां तक कि वह अपने चिर प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट की तारीफ करने में भी गुरेज नहीं कर रहे है।

सरकार की वापसी के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मतदाताओं को लुभाने के लिए पिछले काफी समय से तरह-तरह की योजनाएं चला रहे थे। अब उन्होंने चुनावी ब्रह्मास्त्र के रूप में अपनी सरकार की तरफ से लोगों को सात गारंटी देने की घोषणा की है। साथ ही यह भी कहा है कि सरकार रिपीट होने पर इन सातों गारंटी को लागू कर आम जनता को इनका फायदा पहुंचाया जाएगा। मगर गहलोत के साथ वही बात हो रही है कि बहुत देर कर दी हुजूर आते-आते। राजस्थान के मतदाताओं को गहलोत की गारंटी के ऊपर एतबार नहीं हो रहा है। लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जब पूरे पांच साल लगातार सरकार चलाई तब इन सब बातों पर अमल क्यों नहीं किया। अब गारंटी देकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। गहलोत सरकार प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को घरेलू कनेक्शन पर 100 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त उपलब्ध करवा रही है। मगर दूसरी तरफ विद्युत कंपनियां पिछले 3 साल की ऑडिट के नाम पर बहुत से घरेलू उपभोक्ताओं से बकाया वसूली के रूप में पांच हजार से बीस हजार रुपये तक का बकाया निकाल कर वसूल रही है। इससे लोगों का गहलोत सरकार के प्रति विश्वास डगमगा गया है।

लोगों का कहना है कि जहां हरियाणा में वृद्धावस्था पेंशन 2500 प्रतिमाह है। वहीं राजस्थान में चुनाव के नजदीक आने पर सरकार ने उसे बढ़ाकर 1000 किया है। प्रदेश में आज ऐसे बहुत से वरिष्ठ नागरिक है जिनके जीवन बसर का कोई साधन नहीं है। ऐसे में यदि वरिष्ठ जनों की पेंशन में बढ़ोतरी होती तो उनको जीवन बसर करने में बहुत सुविधा होती। मगर सरकार ऐसा करने में फेल रही है। गहलोत मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना की बहुत तारीफ करते घूमते हैं तथा चुनावी घोषणा पत्र में भी उसे बढ़ाकर 50 लख रुपए प्रति परिवार तक करने का वादा किया है। मगर प्रदेश के 95 फीसदी निजी अस्पतालों में यह योजना चल ही नहीं रही है। सिर्फ सरकारी अस्पतालों में चल रही है जहां की व्यवस्था का तो भगवान ही मालिक है। यदि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत चिरंजीवी योजना की राशि को पहले की तरह ही रखकर उसे सभी निजी अस्पतालों में हर बीमारी के उपचार के लिए लागू करवा देते तो प्रदेश की जनता को अधिक फायदा मिलता। मगर ऐसा हो नहीं पाया है।

चुनाव की घोषणा के कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री ने उज्ज्वला योजना में महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की और जब भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में सरकार बनने पर साढ़े चार सो रुपए में सभी महिलाओं को हर माह एक गैस सिलेंडर देने की बात कही तो मुख्यमंत्री भी अब 400 में सिलेंडर देने की बात कहते घूम रहे हैं। मगर कांग्रेस सरकार ने उक्त योजना को सिर्फ उज्ज्वला के लाभार्थियों तक ही सीमित रखा। जबकि ऐसे बहुत से परिवार है जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। मगर उनके पास उज्ज्वला योजना में गैस कनेक्शन नहीं होने से वह लोग इस तरह के लाभ से वंचित रह गए हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पांच वर्ष का कार्यकाल पार्टी में व्याप्त आंतरिक गुटबाजी व कांग्रेस नेताओं की आपसी लड़ाई में ही बीत गया। एक साल का समय तो कोरोना की भेंट चढ़ गया और बाकी समय सरकार बचाने को लेकर की गई बाड़ेबंदी में ही गुजर गया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आम जनों के लिए बहुत बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की थीं मगर वह धरातल पर नहीं उतर पाईं। बजट के अभाव में बहुत-सी सड़कों और जलदाय योजनाओं का काम अभी तक शुरू भी नहीं हो पाया है। जबकि उन्हें दो साल पूर्व के बजट में शामिल किया गया था। गांव में प्रारंभ किए गए महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालयों में भी शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने से वहां पढ़ने वाले छात्रों की पढ़ाई खराब हो रही है।

पिछले 5 साल में जन विरोधी कार्यों के लिए जितनी गहलोत सरकार बदनाम हुई है। उतनी आज तक कोई भी सरकार नहीं हुई। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होना तो जैसे सरकार का मुख्य काम ही हो गया है। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होकर बाजार में बिकने के कारण राजस्थान के हजारों नौजवानों के नौकरी लगने से वंचित रह जाने के कारण उनका भविष्य खराब हो गया। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य बाबूलाल कटारा के रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने के बावजूद सरकार ने उसको आज तक पद से नहीं हटाया है।

प्रदेश में जिस तरह से खनन माफिया हावी है और खान मंत्री प्रमोद जैन भाया पर कांग्रेस के ही वरिष्ठ विधायक भारत सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए है उसके बावजूद भाया का मंत्री पद पर बना रहना गहलोत सरकार के प्रति लोगों के मन में शक पैदा करता है। महिलाओं के प्रति विधानसभा में गलत बयान करने वाले शांति धारीवाल आज भी सरकार में मंत्री है तथा फिर से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा शिक्षा राज्य मंत्री रहते जिस तरह से अपने रिश्तेदारों को सरकारी सेवा में अनधिकृत तरीके से भर्ती करवाने को लेकर बदनाम हुए है। उनकी बदनामी के दाग शायद ही कभी धूल पाएं।

राजस्थान में हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात की तुलना में 12 रुपये प्रति लीटर डीजल, पेट्रोल के महंगा बिकने के मुद्दे को जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी चुनावी सभा में उठाया है और वायदा किया है कि भाजपा की सरकार बनने पर तुरंत डीजल, पेट्रोल की कीमतों की समीक्षा कर उन्हें काम किया जाएगा। इसका प्रदेश के मतदाताओं पर गहरा असर हुआ है। गहलोत सरकार ने कई बार वायदा कर डीजल-पेट्रोल के दामों में कमी नहीं की। राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अधिक होने से प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में करीबन 400 पेट्रोल पंप बंद हो चुके है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों से आम आदमी का सीधा संबंध रहता है। इसलिए यह मुद्दा गहलोत सरकार के गले की घंटी बन गया है।

पिछले पांच सालों में कांग्रेस की सरकार में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने समर्थक सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र का मिनी मुख्यमंत्री बना दिया था। जिसके चलते क्षेत्र में विधायकों ने मनमानी की और जमकर भ्रष्टाचार किया। जिससे आम मतदाता जिन्होंने बड़ी आशा के साथ कांग्रेस को वोट देकर सरकार बनवाई थी, उनके मन में कांग्रेस के प्रति नकारात्मक धारणा व्याप्त हो गई है। जिसे शायद ही कभी दूर किया जा सके। मुख्यमंत्री गहलोत सहित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी राजस्थान में लगातार चुनावी दौरे कर कांग्रेस को जिताने की अपील कर रहे हैं। मगर प्रदेश की जनता के रुझान से लगता है कि उन्होंने इस बार कांग्रेस को सबक सिखाने का दृढ़ संकल्प कर लिया है।

ममता और गहलोत का गुजरात पर हमला एक राज्य के प्रति नफरत फैलाने के समान है

नीरज कुमार दुबे

विपक्षी गठबंधन की ओर से कई नेता प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने को आतुर तो दिख रहे है लेकिन इस पद की गरिमा और सम्मान का उन्हें जरा भी ख्याल नहीं है। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द बोलने का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है जोकि दिन पर दिन लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री को अपशब्द बोलने के अभियान का नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के लिए देश को जातिवाद की आग में झोंक देने को आतुर दिख रहे राहुल गांधी की नजर में पीएम का मतलब है पनौती मोदी। राजस्थान की एक चुनावी सभा में राहुल गांधी ने जब पीएम शब्द की अपने शब्दों में व्याख्या की तो सभी चौंक गये क्योंकि उनके परिवार से तीन लोग प्रधानमंत्री रह चुके है और उनकी माँ सोनिया गांधी भी प्रधानमंत्री बन गयी होतीं यदि उनके विदेशी मूल का मुद्दा ऐन वक्त पर आड़े नहीं आया होता। हम आपको यह भी बता दें कि यह वही राहुल गांधी है जिन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल के दौरान उनका विधेयक सरेआम फाड़ कर प्रधानमंत्री पद के प्रति अपने असम्मान का खुलेआम प्रकटीकरण किया था।

राहुल गांधी मोदी को पनौती कह रहे है तो उनकी पार्टी के रिमोट कंट्रोल से संचालित माने जाने वाले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे प्रधानमंत्री के पिता को सार्वजनिक रूप से अपशब्द कह रहे है। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी की दौड़ में कहीं राहुल और खरगे आगे ना निकल जायें इसके लिए विपक्षी गठबंधन इंडी के घटक दल भी सक्रिय हो गये है। अगला चुनाव मोदी बनाम अरविंद केजरीवाल होने का दावा कर रही आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पनौतियों का सिकंदर करार देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रही है। यह सब देख प्रधानमंत्री पद पाने का सपना काफी अरसे से पाले हुए बैठीं ममता बनर्जी भी सक्रिय हो गयी है और भाजपा तथा प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए उन्होंने कहा है कि "भारतीय टीम ने इतना अच्छा खेला कि उन्होंने विश्व कप में सभी मैच

जीते, सिवाय उस मैच को छोड़कर जिसमें पापी लोगों ने भाग लिया था।" जाहिर है जब विपक्षी पार्टियों के बड़े नेता प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे उद्गार व्यक्त कर रहे है तो उनके कार्यकर्ता और भी आगे जाकर टिप्पणियां करेंगे। इसलिए आप सोशल मीडिया के किसी भी मंच पर चले जाइये प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित बातें कहने के अभियान का असर आपको वहां पर साफ दिख जायेगा। देखा जाये तो लोकतंत्र में इस बात में कुछ गलत नहीं है कि कोई राजनीतिज्ञ किसी अन्य राजनीतिज्ञ की नीति और विचारधारा से सहमत नहीं हो और उस आधार पर उसे नापसंद करे और उसका विरोध करे लेकिन देश के प्रधानमंत्री पद पर जो व्यक्ति बैठा है उसके खिलाफ अमर्यादित बातें कहना सर्वथा अनुचित है। यदि प्रधानमंत्री के खिलाफ विरोध भी प्रकट करना है तो उसे ससम्मान किया जाना चाहिए। इसके अलावा जिस तरह प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात को निशाना बनाया जा रहा है वह तो और भी गलत है। एक राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह कहना एक राज्य के प्रति नफरत फैलाने के समान है कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में खेला जाता तो भारत जीत जाता। इसके अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिस अंदाज में मारवाड़ी और गुजराती शब्द का प्रयोग करते हुए गुजरात पर कटाक्ष किया है वह भी सर्वथा अनुचित है।

जिस तरह विपक्ष के नेता गुजरात और गुजरातियों के प्रति अपनी नफरत का इजहार कर रहे है उससे उनके उन दावों पर भी सवाल उठता है जिसके तहत वह मुहब्बत की दुकान खोलने का दावा करते है। हम आपको बता दें कि राहुल गांधी कई जनसभाओं में कह चुके है कि आपकी जेब से पैसा निकाल कर गुजरात के व्यापारियों की जेब में डाला जा रहा है। इसी लाइन को अन्य विपक्षी नेता भी थोड़ा-बहुत घुमा फिराकर दोहराते है। यहां सवाल उठता है कि मोदी से नफरत करते करते यह नेता क्यों गुजरात की हर चीज से नफरत करने लगे है? देखा जाये तो देश की अर्थव्यवस्था में गुजरात सर्वाधिक योगदान देने वाले राज्यों में शुमार है। महात्मा गांधी और सरदार पटेल का यह प्रदेश अहिंसा और एकता का संदेश देता है। व्यापारिक गतिविधियों का यह केंद्र प्रदेश देशभर के नौजवानों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है। बहरहाल, जो लोग गुजरात, गुजरातियों और वहां स्टेशन पर चाय बेचने से लेकर देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुँचने वाले नेता से नफरत का इजहार कर रहे है वह दरअसल अपनी खीझ प्रकट कर रहे है क्योंकि जीवन ने उन्हें सर्वाधिक अवसर और बेहतर हालात तथा पर्याप्त संसाधन दिये लेकिन वह उसका कभी सदुपयोग नहीं कर पाये। अपने कर्मों की बदौलत अपने राज्य को अंधेरे में धकेलने वाले नेताओं से यदि गुजरात की चकाचौंध नहीं देखी जा रही है तो इसके लिए उन्हें नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार बताने की बजाय अपने गिरेबां में झांक कर देखना चाहिए।

भारत में धड़ल्ले से हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी किया जाना चिंता की बात है

प्रह्लाद सबनानी

पिछले कुछ समय से भारत सहित, पूरे विश्व में इस्लाम मजहब के अनुयायियों के लिए हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र प्राप्त उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हालांकि हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के सम्बंध में कोई प्रक्रिया तय नहीं की गई है और न ही सरकारी तौर पर इस सम्बंध में कोई दिशा निर्देश जारी किए गए है, परंतु फिर भी भारत में हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने का कार्य विभिनन्न संस्थानों द्वारा धड़ल्ले से किया जा रहा है एवं कई विनिर्माण इकाइन्यों से भारी भरकम राशि हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में वसूली जा रही है। साथ ही, विनिर्माण इकाइन्यों पर भी दबाव बनाया जाता है कि वे अपने संस्थानों में इस्लाम मजहब के अनुयायियों की नियुक्ति करें। अब यह भी समझ से परे है कि फैशन, सौंदर्य साधनों, किराने के सामान, सब्जियों, वित्तीय सुविधाओं एवं ढाबे आदि जैसी गतिविधियों को हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र किस प्रकार प्रदान किया जा सकता है? इसी संदर्भ में अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार एवं सुप्रीम कोर्ट ने हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के सम्बंध में जांच के आदेश जारी किए है।

दरअसल, इस्लाम मजहब के अनुयायियों के लिए हलाल शब्द बहुत महत्व भरा शब्द है। हलाल का आशय यह बताया जाता है कि मुस्लिम मतावलंबियों के लिए जो वस्तु वैद्य है वह हलाल है और जो वैध नहीं है वह हराम है। ऐसा भी बताया जाता है कि प्रारम्भ में इस्लाम-कुरान में खाने की वस्तुओं, विशेष रूप से मांसाहार, के साथ हलाल शब्द को जोड़ा गया था अर्थात किन वस्तुओं (किस प्रकार के मांसाहार) का खाना हलाल है एवं किन वस्तुओं (किस प्रकार के मांसाहार) का खाना हराम है। परंतु, अब तो हलाल को दैनिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के साथ जोड़ दिया गया है। जैसे हलाल मांस, हलाल फैशन एवं सौंदर्य के साधन, हलाल किराने का सामान, हलाल सब्जियां, हलाल वित्तीय सुविधाएं, हलाल ढाबे, आदि आदि।

कई इस्लामी देशों ने यह तय कर लिया है कि उनके नागरिक केवल हलाल प्रमाणित खाद्य पदार्थों एवं अन्य सुविधाओं का उपयोग करेंगे एवं इन देशों ने हलाल प्रमाणन को कानूनी रूप दे दिया है। कोई उत्पाद हलाल प्रमाणित है इसके लिए बाकायदा विशेष संस्थाओं का गठन किया गया है जोकि हलाल प्रमाणन का प्रमाण पत्र जारी करने में सक्षम है एवं उस प्रमाणन के आधार पर ही सम्बंधित उत्पाद बाजार में बेचा जा सकता है। इन मुस्लिम मजहब बहुल देशों में विदेशों से आयात किए जाने उत्पादों को भी हलाल प्रमाणन के लिए प्रमाण पत्र सबंधित संस्थानों से लेना आवश्यक होता है ताकि ये कम्पनियां अपने उत्पादों को इन इस्लामी देशों को निर्यात कर सकें। चूंकि पूरे विश्व में 50 से अधिक इस्लामी देश है एवं मुस्लिम मजहब को मानने वाली बहुत बड़ी आबादी इन देशों में निवास करती है अतः गैर इस्लामी देशों की कम्पनियों को भी हलाल प्रमाणित उत्पाद ही इन देशों को भेजने होते हैं।

वैसे तो हलाल प्रमाणित वस्तुओं का चलन इस्लामी देशों में बहुत लम्बे समय से चला आ रहा है। परंतु हाल ही के समय में इसका कार्य क्षेत्र बढ़ाकर इसे गैर इस्लामी देशों में भी तेजी से फैलाया गया है अर्थात मुस्लिम मजहब के मतावलंबियों को यह प्रेरणा दी जाती है कि वे केवल हलाल प्रमाणित वस्तुओं एवं सेवाओं का ही उपयोग करें। वर्ष 1945 में दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केपटाउन में मुस्लिम जुडीशियल कौंसिल हलाल ट्रस्ट की स्थापना की गई थी। इसके बाद हलाल पंजीयन की शुरुआत थाईलैंड में वर्ष 1969 में हुई जो केवल कुवैत में मुर्गी पालन उद्योग से निर्मित पदार्थों के निर्यात तक सीमित था। एक सुनियोजित इस्लाम केंद्रित व्यापार की वास्तविक शुरुआत दक्षिण पूर्वी एशिया के एक देश मलेशिया से हुई थी। वहां वर्ष 1974 में एक डिपार्टमेंट ऑफ इस्लामिक डेवलपमेंट मलेशिया की स्थापना की गई। यह विश्व का ऐसा पहला देश था, जिसने हलाल व्यापार को परिभाषित करने का एक कानून बना दिया। इस प्रक्रिया की गति इतनी तीव्र थी कि वर्ष 1980 तक मलेशिया को

ग्लोबल हलाल हब बनाने के प्रयासों को आकार दिया जाने लगा था। वर्तमान में डिपार्टमेंट ऑफ इस्लामिक डेवलपमेंट मलेशिया का नेटवर्क लगभग 45 देशों में फैला हुआ है और कुल लगभग 78 हलाल पंजीयन संस्थाएं इससे जुड़ी हुई हैं। भारत की भी तीन प्रमुख संस्थाएं- हलाल इंडिया, जमियत उलेमा हलाल फाउंडेशन, जमियत उलेमा ए हिंद हलाल ट्रस्ट इसके सदस्य रहे है। अब तो विश्व के लगभग सभी इस्लामी देशों एवं अन्य कई गैर इस्लामी देशों में भी हलाल प्रमाणन संस्थाओं का गठन किया जा चुका है।

हलाल प्रमाणन संस्थाएं हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के पूर्व एक मोटी रकम विभिनन्न वस्तुओं का उत्पादन करने वाली संस्थाओं से हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में लेती है। हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने वाली इन संस्थाओं की आय आज करोड़ों अमेरिकी डॉलर में हो गई है। दीनार स्टैंडर्ड, द कैपिटल ऑफ इस्लामिक इकॉनमी और सलाम गेटवे द्वारा प्रकाशित स्टेट आफ ग्लोबल इस्लामिक इकॉनमी रिपोर्ट 2018-19 के अनुसार, हलाल अर्थव्यवस्था के विभिनन्न क्षेत्रों की आय अब अरबों डॉलर में पहुंच गई है और अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्रों की आय इस प्रकार बताई गई है- हलाल ट्रैवल क्षेत्र- 17,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर; हलाल फूड क्षेत्र- 130,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर; हलाल वित्तीय क्षेत्र- 243,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर; हलाल फैशन क्षेत्र- 27,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर, हलाल फार्मा क्षेत्र- 8,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर; हलाल कासमेटिक क्षेत्र- 6,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर। अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि हलाल प्रमाणित व्यापार यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा तो वर्ष 2023 तक हलाल अर्थव्यवस्था का अनुमानित व्यापार 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा, जोकि विश्व के कई विकसित देशों जैसे कनाडा, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, इटली, स्पेन, आदि के सकल घरेलू उत्पाद से भी कहीं अधिक होगा।

विश्व में चूंकि मुस्लिम मतावलंबियों की संख्या बहुत अधिक है अतः अब विभिनन्न वस्तुओं एवं सेवाओं को धर्म के आधार पर बेचे जाने के प्रयास किए जा रहे है ताकि मुस्लिम मतावलंबियों द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं को मुस्लिम संस्थानों द्वारा ही निर्मित किया जा सके एवं अगर अन्य धर्मों को मानने वाले अनुयायियों द्वारा इन उत्पादों का निर्माण किया जाता है और यदि वे अपने उत्पादों को मुस्लिम मतावलंबियों के बीच बेचना चाहते है तो उनके लिए भी हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो जाए। इस प्रकार, विभिनन्न उत्पाद निर्माण करने वाली कम्पनियों को अपने व्यापार का विस्तार करने के उद्देश्य से हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र लेना अब एक आवश्यकता बन चुका है। भारत में तो कई मुस्लिम बुद्धिजीवियों द्वारा पतंजलि संस्थान द्वारा निर्मित आयुर्वेदिक उत्पादों को मुस्लिम मजहब के अनुयायियों द्वारा उपयोग किए जाने को निरुत्साहित किया जाता है एवं केवल हलाल प्रमाणित वस्तुओं एवं सेवाओं के उपयोग हेतु ही प्रेरणा दी जाती है। परंतु, वहीं चीन की कई कम्पनियां समस्त उत्पादों का हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र प्राप्त कर भारत में अपने उत्पाद बहुत ही आसानी बेचकर व्यापार कर रही हैं और चीन में मुस्लिम मतावलंबियों को समाप्त कर रही हैं अर्थात उनके चिन्ह जैसे मस्जिद, दाढ़ी, टोपी, आदि को समाप्त कर रही है। भारत में मुस्लिम मतावलंबी चीनी सामान को बढ़ावा दे रहे हैं और जो भारत मुस्लिमों को सबसे अधिक सुविधाएं देता है, उस सहिष्णु भारत के व्यापारियों का विरोध कर रहे हैं। आज पूरे विश्व में इस्लाम के सभी फिकरे केवल और केवल भारत में ही रहते है एवं ये सभी फिकरे भारत में एकदम सुरक्षित हैं वरना कई इस्लामी देशों में तो ये आपस में ही लड़-भिड़ रहे हैं।

विभिनन्न आर्थिक गतिविधियों के क्षेत्रों यथा, हलाल मांस, हलाल फैशन एवं सौंदर्य के अन्य साधन, हलाल किराने का सामान, हलाल सब्जियां, हलाल वित्तीय सुविधाएं, हलाल ढाबे आदि में हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र प्रदान करने के पूर्व किस प्रकार की प्रक्रिया अपनायी जानी चाहिए इसे अब निर्धारित करने का समय आ गया है एवं इस सम्बंध में दिशा-निर्देश जारी किये जाने चाहिए एवं यह दिशा-निर्देश पूरे विश्व में हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने वाली संस्थाओं पर समान रूप से लागू किए जाने चाहिए। दरअसल, अब खाने पीने की वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए भी हलाल प्रमाणन संस्थाएं हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी कर रही हैं। यदि खाने पीने की वस्तुओं के लिए हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र एक निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत जारी नहीं किए जाते है तो इन वस्तुओं का उपयोग करने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सम्बंधी परेशानी खड़ी हो सकती है एवं इनका जीवन ही खतरे में पड़ सकता है। दूसरे, हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने वाले संस्थानों की आय में बेतहाशा वृद्धि को देखते हुए अब यह आवश्यक हो गया है कि विभिनन्न देशों द्वारा स्थानीय स्तर एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस आय का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है इस सम्बंध में भी नियम बनाए जाने चाहिए क्योंकि चीन में हलाल राशि इस्लाम को कुचलने के काम आती है, यूरोपीयन देशों में हलाल राशि वामपंथी-पूंजीपतियों के द्वारा वैश्विक षड्यंत्र के काम आती है और कुछ मुस्लिम देशों में हलाल की कुछ राशि इस्लामिक जिहाद के लिए काम आती है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी-20 मुकाबला टीम इंडिया ने टॉस जीतकर चुनी पहले गेंदबाजी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज का आगाज हो गया है। जहां पहला मुकाबला विशाखापत्तनम में खेला जा रहा है। वर्ल्ड कप 2023 फाइनल के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया का ये पहला मैच है। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी थी। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है।

भारत- ऋतुराज गायकवाड़, यशस्वी जयसवाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, रवि बिशनेई, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार और प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया- मैथ्यू शॉर्ट, स्टीवन स्मिथ, जोश इंग्लिस, एरोन हार्डी, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर, कप्तान), सीन एबॉट, नाथन एलिस, जेसन बेहरेनडॉर्फ और तनवीर सांघा। टीम इंडिया के पास ऑस्ट्रेलिया को हराने का और वर्ल्ड कप फाइनल का बदला लेने का सुनहरा मौका है। हालांकि, वर्ल्ड कप खिताबी मुकाबले में हार का गम तो पूरा नहीं हो सकता है लेकिन फैंस को कुछ हद तक खुशी मिल सकती है। इन पांच मैचों की सीरीज को भारतीय टीम जीतकर फैंस को वर्ल्ड कप फाइनल की हार भुलाने में मदद कर सकती है।

वहीं कंगारू टीम ने भारत के खिलाफ इस सीरीज में वर्ल्ड कप टीम से 7 खिलाड.ियों को टीम में जगह दी है। जबकि टीम की कमान मैथ्यू वेड को सौंपी है। इस टीम में हाल ही में वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी भी शामिल हैं। इनमें ट्रेविस हेड से लेकर ग्लेन मैक्सवेल और स्टीव स्मिथ से लेकर मार्कस स्टोइनिस, एडम जंपा, शीन एबॉट और जोस इंगलिश शामिल हैं। जबकि डेविड वॉर्नर को भी इसमें शामिल किया गया था, लेकिन वर्ल्ड कप जीत के बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया।

वहीं भारत ने वर्ल्ड कप टीम के अधिकतर खिलाड.ियों को आराम दिया है जबकि युवा खिलाड.ियों को मौका दिया है। वर्ल्ड कप टीम से केवल तीन खिलाड.ियों को इस टी20 सीरीज में शामिल किया गया है। इनमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा हैं।

क्रिकेटर श्रीसंत के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप, केरला पुलिस ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली। केरल में एक व्यक्ति ने क्रिकेटर एस श्रीसंत और दो अन्य के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया है। चूंडा के रहने वाले शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी राजीव कुमार और वेंकटेश किनी ने 25 अप्रैल, 2019 से कई तारीखों पर 18.70 लाख रुपये लिए, ये दावा करके कि वे कर्नाटक के कोल्लूर में एक खेल अकादमी बनाएंगे, जिसमें श्रीसंत उनके एक साथी हैं। अपनी शिकायत में, सरीश गोपालन ने कहा कि अकादमी में भागीदार बनने का अवसर मिलने के बाद उन्होंने पैसे का निवेश किया। श्रीसंत और दो अन्य पर आईपीसी की धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में श्रीसंत को तीसरा आरोपी बनाया गया है। साल 2013 में आईपीएल के दौरान राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत और उनके दो अन्य साथियों, अजीत चंदीला और अंकित चवाण, को हिरासत में लिया गया। इन सभी को आईपीएल के दौरान स्पॉटफिक्सिंग के आरोप में दोषी पाया गया था। बोर्ड की जांच में सभी आरोप सही पाए गए और श्रीसंत पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया। बोर्ड की जांच में सभी आरोप सही पाए गए और श्रीसंत पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया।

आखिर टीम इंडिया के मुख्य कोच की भूमिका में बने रहने के इच्छुक क्यों नहीं हैं राहुल द्रविड़

नई दिल्ली। भारत के कोचिंग स्टाफ में एक बड़ा फेरबदल हो सकता है। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ कथित तौर पर भारतीय टीम के लिए अपनी भूमिका जारी रखने के इच्छुक नहीं हैं। द्रविड़, जो भारत के हालिया वनडे विश्व कप 2023 अभियान के शीर्ष पर थे, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20ई श्रृंखला के लिए टीम के साथ नहीं हैं। द्रविड़, जिनका टीम के साथ अनुबंध समाप्त हो गया है। विश्व कप 2023 के पूरा होने के बाद भारत के मुख्य कोच के रूप में अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, द्रविड़ अब आने वाले समय में भारत का मुख्य कोच बनने के इच्छुक नहीं हैं। वह उस कठिन दौर से नहीं गुजरना चाहते जो उन्हें एक खिलाड़ी और फिर एक कोच के रूप में झेलना पड़ा। इसमें कहा गया है कि द्रविड़ के नेतृत्व में भारत का अंतिम मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल था। द्रविड़ ने बीसीसीआई को सूचित किया है कि वह पूर्णकालिक कोच के रूप में बने रहने के इच्छुक नहीं हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि उन्होंने बताया है कि लगभग 20 वर्षों तक, उन्होंने एक खिलाड़ी के रूप में भारतीय टीम के साथ यात्रा की है, और पिछले कुछ वर्षों से, वह फिर से उसी कठिन दौर से गुजर रहे है, जिससे वह गुजरना नहीं चाहते हैं। सूत्र ने बताया कि वह एनसीए में प्रमुख के रूप में एक भूमिका के लिए

तैयार है (वह भूमिका जो उन्होंने पहले निभाई थी), जो उन्हें अपने गृहनगर बेंगलुरु में रहने की अनुमति देगा। पहले की तरह, उन्हें छिटपुट रूप से टीम को कोचिंग देने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन फिर से पूर्णकालिक कोच के रूप में नहीं चाहते।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पूर्व खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण भारत के अगले मुख्य कोच बनने के लिए तैयार हैं और उन्होंने इस भूमिका के लिए अपनी 'उत्सुकता' व्यक्त की है। सूत्र ने कहा कि लक्ष्मण ने इस पद के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। विश्व कप के दौरान, लक्ष्मण इस संबंध में बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों से मिलने के लिए अहमदाबाद गए थे। उनके टीम इंडिया के कोच के रूप में एक दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की संभावना है, और निश्चित रूप से दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए उस क्षमता में टीम के साथ यात्रा करेंगे, जो पूर्णकालिक भारत के मुख्य कोच के रूप में उनका पहला दौरा होगा।

सूर्यकुमार यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे केवल 2 पत्रकार, खाली कुर्सियां देखकर क्रिकेटर रह गये दंग

नई दिल्ली। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया बनाम टी-20 श्रृंखला से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया की कम उपस्थिति से हैरान रह गए। विजाग में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिर्फ 2 लोग शामिल हुए। भारत के कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 मैच से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडियाकमिर्यों की कमी से हैरान रह गए। विजाग में पहले टी20 मैच से पहले केवल 2 पत्रकार ही पहुंचे, जिससे यादव सदमे में थे। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले यादव ने मुस्कुराते हुए कहा, 'केवल 2 लोग?'

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टी-20 श्रृंखला वनडे विश्व कप फाइनल 2023 के ठीक 4 दिन बाद शुरू होती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 19 नवंबर को अहमदाबाद में शिखर मुकाबला खेला, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को अपनी छठी ट्रॉफी जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। विश्व कप टीम के कई सदस्यों को फ़ाइनल हार की भावनाओं से तुरंत आगे बढ़ना पड़ा और टी20ई श्रृंखला की तैयारी शुरू करनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने मैच से पहले शेड्यूल को लेकर चिंता जताई और कहा कि यह समझना मुश्किल है कि खिलाड.ियों को अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए 23 नवंबर को आना होगा। पहले टी20 मैच से पहले फॉक्स स्पोर्ट्स ने लाबुशैन के हवाले से कहा, 'यह आश्चर्यजनक है कि कल एक और खेल है।' लाबुशेन ने आगे कहा यह समझना कठिन है। यह समझना मुश्किल है कि वे लोग एक दिन में कैसे खेलेंगे।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज के लिए एक युवा टीम चुनी है। भारतीय टीम को हार्दिक पंड्या, रोहित शर्मा, केएल राहुल के साथ-साथ जसप्रित बुमरा की सेवाएं नहीं मिलेंगी. उम्मीद है कि भारत अगले 5 मैचों में एशियन गेम्स के हीरो को आजमाएगा।

भारत दस्ताः ईशान किशन (डब्लू यू), यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव (सी), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, रवि बिशनेई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मुकेश कुमार, वाशिंगटन सुंदर, अवेश खान, रुतुराज गायकवाड़, जितेश शर्मा।

पीएम मोदी पैरा तीरंदाजी खिलाड़ियों को दी बधाई, भारतीय प्लेयर्स ने हासिल किया पहला स्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियाई पैरा तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भारतीय दल के तालिका में शीर्ष पर रहने के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना नाम इतिहास के पननें में दर्ज करा दिया। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, ''दल ने चैम्पियनशिप में चार स्वर्ण सहित कुल नौ पदक जीतकर चमकदार प्रदर्शन किया। प्रत्येक एथलीट को उनके योगदान के लिए बधाई। ये खिलाड़ी हमेशा हमें इसी तरह गौरवान्वित करते रहें। ''

उन्होंने लिखा, ''बैंकॉक में पैरा एशियाई तीरंदाती चैम्पियनशिप में ऐतिहासिक जीत। भारतीय पैरा तीरंदाजी टीम को उनके अभूतपूर्व प्रदर्शन और अपना नाम इतिहास के पननें में दर्जकराने के लिए बधाई। '' विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज राकेश कुमार ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई जिसके दम पर भारत बुधवार को बैंकॉक में एशियाई पैरा तीरंदाजी चैम्पियनशिप में नौ पदक जीतकर पदक तालका में दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज को पछाड़कर शीर्ष पर रहा।

जानें क्या है जैवलिन थ्रो का इतिहास? कैसे पहुंचा युद्ध के हथियार से ओलंपिक खेल तक

नई दिल्ली। भारत में कई दशकों से क्रिकेट ने खेल प्रेमियों के दिलों में एक अहम जगह बनाई है। वैसे तो देश में कई खेल है, लेकिन कुछ समय से क्रिकेट एकलौता खेल है जिसका क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोलता है। लेकिन कुछ सालों से क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों ने युवाओं के दिल में अपनी छाप छोड़ी है। या यूं कहें कि युवाओं को अपनी ओर आकर्षित किया है। इन्हीं में से एक है जैवलिन थ्रो, जिसे हम भाला फेंक के नाम से भी जानते है। जैवलिन थ्रो एक ग्लोबल स्पोर्ट बन गया है। इससे पहले इसका इस्तेमाल शिकारी और सैनिकों द्वारा किया गया था।

शिकारी जानवरों को मारने के लिए एक छोर पर भाले के साथ एक लंबी छड़ी लगाते थे और इसे फेंककर शिकार करते थे। जबकि सैनिकों ने इसे युद्ध में एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। आधुनिक समय में भाला फेंक खेल में शामिल हो गया है। जो खिलाड.ियों को सम्मान दिलाता है।

पहली बार जैवलिन थ्रो 708 ईसा पूर्व ग्रीस मे हुए प्राचीन ओलंपिक गेम्स में एक खेल के रूप में शामिल हुआ। ये दौड़, डिस्कस थ्रो, लंबी कूद और कुश्ती के साथ पेंटाथलॉन इवेंट का हिस्सा था। उस समय जैवलिन जैतून की लकड़ी से बनता था।

पुराने समय में ओलंपिक खेलों का आयोजन स्थल ओलंपिया की स्थिति सदियों से कई लड़ाइयों और प्राकृतिक आपदाओं के बाद बिगड़ गई। रोमन सम्राट थियोडोसियस प्रथम ने मूर्तिपूजक समारोहों और कामों को अवैध घोषित करते हुए खेलों को आधिकारिक तौर

पर 394 ईसवीं के आसपास खत्म कर दिया। इसी के साथ भाला फेंक खेल के तौर पर खत्म हो गया।

लेकिन 1700 के दशक के आखिर में स्कैंडिनेवियाइयों ने इस खेल को पुनर्जीवित किया। फिनलैंड और स्वीडन ने भाला फेंक के दो अलग-अलग इवेंट में प्रतिस्पर्धा की। जिसमें एक में भाला लक्ष्य पर फेंकना होता था और दूसरे में सबसे दूर फेंकना होता था। हालांकि, बाद के दशकों में दूर फेंकने वाला भाला फेंक ज्यादा लोकप्रिय हो गया।

वहीं जैवलिन थ्रो खेल के सबसे पहले स्वीडन के एथलीट एरिक लेमिंग थे। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी ट्रैक और फील्ड एथलीट में विशेषज्ञ थे, जिसमें भाला फेंक के अलावा वह जंपिंग इवेंट में भी भाग लेते थे। लेमिंग ने एक दशक से ज्यादा समय तक इस खेल पर अपना वर्चस्व बनाए रखा। इसके बाद अन्य इवेंट थ्रो इवेंट डिस्कस और शॉट पुट को 1896 के पहले आधुनिक ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया था। 1908 में लंदन में आयोजित हुए तीसरे सीजन से भाला फेंक को पहली बार शामिल किया गया।

भाला फेंक को जब पहली बार ओलंपिक में शामिल किया गया तो एरिक लेमिंग ने अपनी बादशाहत कायम रखी। स्वीडन के इस एथलीट ने स्टैंडर्ड भाला फेंक के साथ-साथ फ्रीस्टाइल भाला फेंक में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। फिर अगले कुछ दशकों में जैवलिन थ्रो की लोकप्रियता धीरे-धीरे बढ़ती चली गई। इसमें नॉर्डिक देशों के बजाय धीरे-धीरे मध्य यूरोप का दबदबा कायम होने लगा। इस इवेंट में जर्मनी के महान उवे हॉन ने इस खेल में क्रांति ला दी। उवे हॉन 100 मीटर की दूरी निकालने वाले पहले एथलीट बने। वह ऐसा करने वाले एकमात्र भाला फेंक एथलीट है। 1984 में हॉन ने बर्लिन में हुए खेलों में 104.8 मीटर तक भाला फेंककर ये रिकॉर्ड कायम किया था।

हालांकि, 1986 का समय आया तो जैवलिन के डिजाइन में बदलाव आ गया। इसके बाद जैवलिन थ्रो के रिकॉर्ड को रीसेट किया गया था, जिसमें इसके गुरुत्वाकर्षण के केंद्र को बढ़ा दिया था। इस कदम ने दूरी को कम कर दिया और स्टेडियमों में उपलब्ध स्थान से भाला के आगे निकलने का खतरा कम हो गया।

1999 में महिलाओं की भाला फेंक में भी इसी तरह का संशोधन किया गया था। दोबारा डिजाइन किए गए भाले की मदद से पहले कुछ सालों में 90 मीटर के निशान को पार करना भी मुश्किल था। हालांकि, तीन बार के ओलंपिक विजेता स्टीव बैकली ने साल 1992 में इस 90 मीटर से ज्यादा दूरी तक फेंक दिया।

आईपीएल 2024 में नजर नहीं आएंगे बेन स्टोक्स, चेन्नई सुपर किंग्स ने बताया हटने का कारण

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स आईपीएल 2024 में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स ने खुद इसकी पुष्टि कर दी है। दरअसल, आने वाले समय में व्यस्त शेड्यूल को देखते हुए स्टोक्स ने ये फैसला लिया है।

वर्ल्ड कप 2023 के बाद क्रिकेट के व्यस्त शेड्यूल के चलते इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान ने ये फैसला लिया है। स्टोक्स आईपीएल के पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के सफल अभियान का हिस्सा रहे थे। हालांकि, धोनी की कप्तानी में टीम में उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले।

स्टोक्स के फैसले के बारे में बताते हुए सीएसके ने कहा है कि इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान, ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने अपने कार्यभार

और फिटनेस को प्रबंधित करने के लिए आईपीएल 2024 के लिए खुद को अनुपलब्ध बना लिया है। 32 वर्षीय स्टोक्स सफल आईपीएल 2023 से पहले सुपरकिंग्स का हिस्सा बने थे।

सीएसके ने बने स्टोक्स को 16.25 करोड़ में खरीदा था। वहीं सीएसके ने अब मीडिया रिलीज में बताया है कि, इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने अपने कार्यभार और फिटनेस को प्रबंधित करने के लिए आईपीएल 2024 के लिए खुद को उपलब्ध नहीं कराने का मन बनाया है। 32 वर्षीय स्टोक्स आईपीएल 2023 से पहले सुपर किंग्स का हिस्सा बने। उन्होंने हाल ही में वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भाग लिया, जिसके लिए उन्होंने रिटायरमेंट से वापसी की थी। गौरतलब है कि, चेनन्ई सुपर किंग्स मैनेजमेंट आईपीएल से पहले भारत में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज और फिर जून 2024 में टी20 वर्ल्ड कप खेलने के साथ इंग्लैंड के साथ अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के बेन स्टोक्स के फैसले का समर्थन करता है। इससे साफ है कि अब चेनन्ई सुपर किंग्स स्टोक्स को रिलीज करेगी और उनकी जगह किसी अन्य विदेशी खिलाड़ी पर बोली लगाएगी। आईपीएल 2024 के लिए मिनी ऑक्शन अगले महीने यूएई में होगा। इसकी जानकारी आपको जल्द मिल जाएगी।

दिल्ली में दिसंबर में होंगे खेलो इंडिया पैरा खेल, कई प्रतिस्पर्धाएं है शामिल

नई दिल्ली। शुरूआती खेलो इंडिया पैरा खेल 10 से 17 दिसंबर तक दिल्ली में आयोजित किये जायेंगे जिसमें 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1350 से ज्यादा एथलीट सात स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश में पैरा खेलों के लिए यह टूर्नामेंट 'गेम चेंजर' साबित होगा। अनुराग ठाकुर ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर अपलोड किये एक वीडियो में कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि 10 से 17 दिसंबर तक पहले खेलो इंडिया पैरा खेल नयी दिल्ली में विभिन्न स्थानों में आयोजित किये जायेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के तीन स्टेडियम में कुल सात स्पर्धायें खेली जायेंगी।

विश्व कप की हार के बाद ऑस्ट्रेलिया से बदला लेने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ऊ20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान हो चुका है। वनडे वर्ल्ड कप में हर की बुरी यादों को भूलाकर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 नवंबर को मैदान में उतरेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की ऊ20 सीरीज का आयोजन किया जाना है।

इस टी 20 सीरीज में कई स्टार खिलाड.ियों को शामिल नहीं किया गया है। इस सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और मोहम्मद शमी को आराम दिया गया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम सूर्य कुमार यादव की कप्तानी में खेलेगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी 20 सीरीज का पहला मुकाबला विशाखापट्टनम में खेला जाना है। वाय.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-व्हिडीसीए क्रिकेट मैदान पर होने वाला यह मुकाबला शाम 7:00 बजे से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में यशस्वी जयसवाल और ऋतुराज गायकवाड ओपनिंग बैट्समैन होंगे। तीसरे नंबर पर तिलक वर्मा को उतारा जाएगा। इससे पहले एशियाई गेम्स के दौरान भी टॉप 3 में इन्हीं तीन खिलाड.ियों को जगह दी गई थी। मिडिल ऑर्डर में सूर्य कुमार यादव बल्लेबाजी करने उतरेंगे। इसके बाद ईशान किशन या जितेश शर्मा को मौका दिया जा सकता है। मैच में दोनों खिलाड.ियों में से किसी एक पर विकेट कीपिंग की जिम्मेदारी भी होगी। छठे नंबर पर आईपीएल स्टार रिंकू सिंह को मौका दिया जा सकता है। बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजी में अक्षर पटेल और रवि बिशनेई अहम खिलाड़ी साबित हो सकते है। इसके अलावा आवेश खान, मुकेश कुमार और अर्शदीप सिंह भी गेंद से बल्लेबाजों को परेशान करते दिखेंगे। बता दें कि टीम में प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल किए गए है। हालांकि उन्हें मौका दिया जाएगा या नहीं इस पर संदेह बना हुआ है।

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी मालीन सैमुअल्स पर लगा 6 साल का बैन, जानें क्यों?

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज मालीन सैमुअल्स को आईसीसी ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से 6 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। सैमुअल्स को 2019 अबू धाबी टी10 के दौरान भ्रष्ट आचरण का दोषी पाया गया है। जिस कारण उन पर बैन लगा दिया गया है। सैमुअल्स उस लीग में कर्नाटक टस्कर्स का हिस्सा थे, लेकिन खेले नहीं थे।

एक स्वतंत्र न्यायाधिकरण ने सैमुअल्स को चार मामलों में दोषी पाया, जिसमें खुद को और खेल को बदनाम करने वाले अहसान स्वीकार करना और जांच अधिकारियों से जानकारी छिपाना शामिल था। सैमुअल्स को 15 साल पहले भी इसी तरह के अपराध के लिए सजान दी गई थी।

आईसीसी के एचआर और इंटीग्रिटी यूनिट के प्रमुख एलेक्स मार्शल ने कहा, सैमुअल्स ने करीब दो दशकों तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेला, इस दौरान उन्होंने कई एंटी-करप्शन गतिविधियों में हिस्सा लिया और जानते थे कि एंटी-करप्शन कोड के तहत उनके दायित्व क्या थे। हालांकि, वह अब रिटायर हो चुके है, जब अपराध किए गए थे तब सैमुअल्स उसके एक भागीदार थे। तब सैमुअल उसके एक भागीदार थे। 6 साल का प्रतिबंध किसी भी नियम तोड़ने का इरादा रखने वाले व्यक्ति के लिए हतोत्साहित करने वाले एक मजबूत कदम वाले एक मजबूत कदम के रूप में काम करेगा।

सैमुअल्स का प्रतिबंध 11 नवंबर, 2023 से प्रभावी होगा। इस साल अगस्त में अपराधों के लिए दोषी पाए जाने से पहले सितंबर 2021 में आईसीसी द्वारा 3 पर शुरुआती आरोप लगाए गए थे।

2012 और 2016 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में वेस्टइंडीज के टॉप स्कोरर रहे सैमुअल्स ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 2018 में खेला था। उन्होंने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में 11 हजार से ज्यादा रन बनाए और 2020 में संन्यास लिया था।

आस्ट्रेलिया ने चेक गणराज्य को हराया, डेविस कप सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बुधवार को चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर डेविस कप सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आस्ट्रेलिया ने इस तरह लगातार दूसरे साल अंतिम चार में जगह बनायी। एलेक्स डि मिनॉर ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी कर आस्ट्रेलियाई की उम्मीद जीवंत रखीं। फिर मैक्स पुर्सेल और मैथ्यू एबडेन ने निर्णायक युगल मैच जीत लिया जिससे आस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की जिसमें शुक्रवार को टीम का सामना फिनलैंड से होगा। थॉमस माचाक ने पहले एकल में जोर्डन थॉम्पसन को 6-4, 7-5 से हराकर चेक गणराज्य को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद डि मिनॉर ने जिरी लेहेका को 4-6, 7-6 (2) 7-5 से हराकर आस्ट्रेलिया को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। फिर पुर्सेल और एबडेन की जोड़ी ने एडम पावलासेक और लेहेका को युगल में 6-4, 7-5 से पराजित किया।

विश्व कप 2023 भारत के हाथ से जाने के पीछे रही दो गलतियां, गेंदबाजी भी रहा बड़ा कारण

नई दिल्ली। आईसीसी विश्व कप 2023 का भारत के लिए अंत बेहद दुखद और दिल तोड़ने वाला रहा है। भारतीय टीम अपनी ही सरजमीं पर खिताब नहीं जीत सकी और ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन खेल के सामने हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार 20 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। ये मुकाबला भारतीय टीम के लिए काफी चुनौती भरा रहा, मगर टीम इस चुनौती को पार नहीं कर सकी।

इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने छह विकेट से मैच गंवाया। मैच में टॉस हारने के बाद भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी और सिर्फ 240 रन ही बना सकी। शुरुआत में लगा की ऑस्ट्रेलिया को ये छोटा टारगेट चेज करने में परेशानी हो सकती है मगर ऐसा नहीं हुआ बल्कि भारतीय गेंदबाजों को विकेट चटकाने में पसीने आ गए। इस मैच में कंगारू टीम जैसे ही मैच में टारगेट चेज करने उतरी तो भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी ने मिलकर विकेट चटकाने शुरू किए। पहला शिकार शमी ने डेविड वॉर्नर को बनाया, और फिर बुमराह ने मिचेल मार्श और स्टीव स्मिथ को भी पवेलियन लौटाया। ऑस्ट्रेलिया को तीसरा

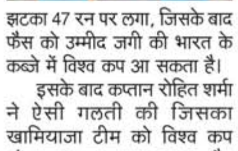

झटका 47 रन पर लगा, जिसके बाद फैंस को उम्मीद जगी की भारत के कब्जे में विश्व कप आ सकता है।

इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा ने ऐसी गलती की जिसका खामियाजा टीम को विश्व कप गंवाकर चुकाना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने ऐसा खेल दिखाया कि उनपर रन चेज का कोई दवाब नहीं रहा और विश्व कप भारत के हाथ में आते आते रह गया। बता दें कि कप्तान रोहित शर्मा ने मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह से 10 ओवर तक गेंदबाजी कराई है। दोनों स्पिनर रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव से गेंदबाजी करवाई गई। खिलाड.ियों ने 16 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 87 रन बना लिए थे। इस दौरान कंगारुओं की टीम के खिलाड.ियों ने इतना शानदार प्रदर्शन किया और दवाब अपने ऊपर आने नहीं दिया।

कप्तान रोहित शर्मा ने 17वें ओवर में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को गेंदबाजी दी मगर टीम जब टीम से दबाव हटा तो तीन ओवर में 16 रन देकर भी वो विकेट चटका नहीं सके। रोहित शर्मा ने सिराज को तीन ओवर की गेंदबाजी सौंपने के बाद फिर से हटाया। सिराज की जगह गेंदबाजी करने के लिए स्पिनर्स को लगाया और उस कारण टीम को मैच का नुकसान उठाना पड़ा। इस मैच में कुलदीप यादव ने छह ओवर में 30 रन दिए और रविंद्र जडेजा ने चार ओवर में 16 रन दिए। मगर दोनों ही खिलाड.ियों को विकेट नहीं मिला। दरअसल जब रोहित ने शुरुआती 10 ओवर में शमी और बुमराह को हटाया तो सिराज को ही गेंदबाजी देनी चाहिए थी।

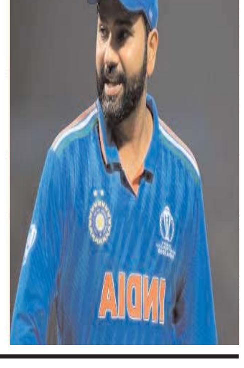

डॉन 3 से जुड़ी बड़ी खबर आयी सामने, प्रियंका चोपड़ा की जगह इस एक्ट्रेस को किया जाएगा कास्ट?

मुम्बई। फरहान अख्तर ने हाल ही में डॉन 3 की तीसरी किस्त की घोषणा की। जिसमें रणवीर सिंह ने मुख्य भूमिका के लिए शाहरुख खान की जगह ली। इसके तुरंत बाद, प्रशंसकों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि आगामी संस्करण में प्रियंका चोपड़ा जोनास के रोमा चरित्र की जगह कौन लेगा क्योंकि वह अब हॉलीवुड में अपनी प्रतिबद्धताओं में व्यस्त हैं। कई नेटिज़न्स ने नाइट मैनेजर फेम शोभिता धूलिपाला के नाम का अनुमान लगाया था और अभिनेत्री ने हाल के साक्षात्कारों में अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। बॉलीवुड बबल के साथ हाल ही में बातचीत में 31 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि अगर उन्हें डॉन 3 में रोमा का किरदार निभाने का मौका मिलता है, तो यह बहुत बड़ी बात होगी क्योंकि वह एक व्यक्ति के रूप में प्रियंका चोपड़ा के काम और उनकी प्रशंसक हैं। प्रियंका चोपड़ा ने रोमा के किरदार से आग लगा दी थी और मुझे डॉन, फिल्में, संगीत, ऊर्जा बहुत पसंद है, यह अद्भुत है और मुझे आम तौर पर एक्शन फिल्में देखने में भी मजा आता है। उन्होंने कहा, "मेरे पास यह कीड़ा है कि मुझे एक्शन फिल्म करनी है।" इससे पहले, जब डॉन फ्रेंचाइजी के निर्माताओं ने रणवीर को अपने नए चेहरे के रूप में पेश किया था, तो शाहरुख खान के प्रशंसक इस फैसले से नाखुश थे, जिसके बाद रणवीर ने आगे आकर फ्रेंचाइजी के प्रशंसकों को आश्वासन दिया और यहां तक कि डॉन श्रृंखला के पिछले दो चेहरों की प्रशंसा करते हुए एक हार्दिक नोट भी साझा किया। उन्होंने लिखा, "मेरे दो सुपरनोवा, द बिग बी और एसआरके, मुझे उम्मीद है कि मैं आपको गौरवान्वित कर सकता हूं।" इस बीच, प्रियंका ने हाल ही में फरहान के साथ उनकी आगामी ड्रामा फिल्म जी ले जरा के लिए काम किया है, जिसमें आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। लेकिन तारीखों की दिक्कत के कारण यह प्रोजेक्ट अच्छी गति से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। वहीं शोभिता आखिरी बार द नाइट मैनेजर के दूसरे सीजन में नजर आई थीं। उनकी आखिरी फ.िल्म अखिल भारतीय रिलीज़ और मणिरतन्म के निर्देशन में बनी पोनिनयिन सेलवनः छ थी। इसके अलावा, उनकी झोली में सितारा नाम की एक हिंदी फिल्म और एक अमेरिकी फिल्म मंकी मैन भी है।

एक्ट्रेस टीना मुनीम ऐसे बनीं अंबानी फैमिली की बहू

मुम्बई। बॉलीवुड का एक्ट्रेसेज बिजनेस फैमिलीज में रिश्ता जुड़ना बहुत पुरानी बात है। इस कड़ी में टीना मुनीम का नाम इसलिए भी याद रहता है क्योंकि वो देश के सबसे अमीर खानदान में बहू बनकर गईं। 80 के दशक में अपने नाम का डंका बॉलीवुड में बजाने वाली टीना उस समय मुनीम हुआ करती थीं। अनिल अंबानी से शादी के बाद टीना मुनीम सरनेम बदलकर अंबानी हो गईं।

टीना अंबानी आज अपना 61वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। बता दें कि 11 फरवरी 1957 में टीना का जन्म मुंबई में हुआ था। 1975 में 'फेमिना टीन प्रिंसेस' का क्राउन जीतकर टीना ने बॉलीवुड में करियर की शुरुआत की। बॉलीवुड के सीनियर और दिग्गज एक्टर्स में से एक रहे देव आनंद साहब ने टीना मुनीम की एंट्री फिल्म इंडस्ट्री में कराई थी। टीना और देव ने साथ में पहली फिल्म 1978 में 'देस-परदेस' की थी। इसके बाद 1980 में फिल्म 'लूटमार' और 'मन पसंद' भी कीं। फरवरी 1991 में टीना ने अनिल अंबानी से शादी कर ली। इसके बाद वे फिल्मों में नजर नहीं आईं। बता दें कि 1986 में अनिल अंबानी की टीना मुनीम से पहली मुलाकात टीना के भतीजे करन के जरिए हुई थी। अनिल को पहली ही मुलाकात में टीना भा गई थीं। टीना को भी पहली मुलाकात में अनिल काफी पसंद आए थे। लेकिन अनिल की फैमिली टीना से शादी के सख्त खिलाफ थे। क्योंकि उन्हें टीना का एक्ट्रेस होना पसंद नहीं था। लेकिन दोनों की कोशिश रंग लाई और दोनों परिवारों की रजामंदी के बाद 1991 में टीना ने अनिल अंबानी से शादी कर ली।

टीना ने कई बेहतरीन हिंदी फिल्मों जैसे 'रॉकी', 'देस परदेस', 'मन पसंद', 'बातों बातों में', 'सौतन', 'बड़े दिलवाला', 'इजाजत' में काम किया। टीना अंबानी की जोड़ी संजय दत्त, राजेश खनन जैसे एक्टर्स के साथ खूब पसंद की गई।

'रात दिया बुताके' को भूल जाइए, पवन सिंह और आम्रपाली का नया गाना

मुम्बई। आखिरकार लंबे समय बाद पावरस्टार पवन सिंह और भोजपुरी की मशहूर अदाकारा आम्रपाली दुबे एक साथ फिल्म 'मैंने उनको सजन चुन लिया' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। इस फिल्म का पहला दूसरा गाना 'भतार को भूल जाओगी' यू-ट्यूब चैनल डीआरजे रिकॉर्डस भोजपुरी पर रिलीज किया गया, जिसे 24 घंटे के अंदर 123,174 बार देखा जा चुका है। आपको बता दें कि इन दोनों का गाना 'रात दिया बुताके' भोजपुरी की सबसे बड़ी हिट रह चुकी है, जिसके बाद अब पवन और आम्रपाली फिल्म 'मैंने उनको सजन चुन लिया' के गाने 'भतार को भूल जाओगी' से इंटरनेट पर धमाल मचा रहे हैं। इस फिल्म में आम्रपाली दुबे के अलावा काजल, अंजना सिंह, प्रीति विस्वास भी नजर आएंगी, लेकिन सबकी नजर पवन सिंह और काजल की केमेस्ट्री पर होगी। उधर, फिल्म 'मैंने उनको सजन चुन लिया' को लेकर पवन सिंह काफी उत्साहित है और कहते है कि डीआरजे रिकॉर्डस भोजपुरी पर फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों ने खूब प्यार दिया है।

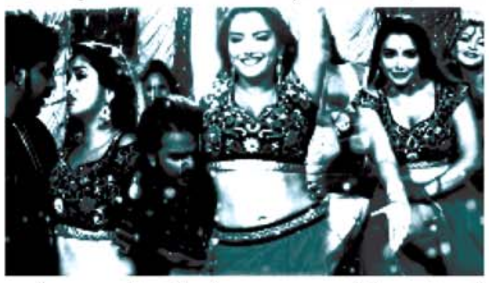

ट्रेलर की तरह फिल्म भी बेहतरीन बनी है और मेरा किरदार इसमें अब तक के सभी किरदार से अलग है। मैंने इस फिल्म में अलग-अलग तरीके के एक्शन स्टंट किए हैं। साउथ से आने वाले एक्शन डायरेक्टर एस मलेश को धन्यवाद कहना चाहूंगा, क्योंकि उन्होंने मुझसे एक से एक शानदार स्टंट करने के लिए प्रेरित किया। जिसकी एक झलक आपको ट्रेलर में मिलेगी, बांकी के लिए आपको फिल्म देखनी होगी। काजल के बारे में पवन सिंह ने कहा कि वे इंडस्ट्री में आज काफी चर्चित और बेहतरीन अदाकाराओं में से आती हैं। मैं उनके साथ पहले भी काम कर चुका हूं। उनके साथ मेरी केमेस्ट्री हमेशा जमी है। इस फिल्म में भी आपको वो नजर आयेगी। वे खूब मेहनती है। पवन ने बताया कि इस फिल्म के सभी गाने ब्लॉक बस्टर है, जो दर्शकों के दिलो दिमाग पर छा जायेगा। गौरतलब है कि फिल्म 'मैंने उनको सजन चुन लिया' को देवेंद्र तिवारी ने डायरेक्ट किया है।

अब यह बॉलीवुड सिंगर करने जा रही हैं एक्टर निहार पांड्या से शादी

मुम्बई। गायिका नीति मोहन अभिनेता निहार पांड्या के साथ 15 फरवरी को हैदराबाद में शादी के बंधन में बंधने जा रही है। 'इश्क वाला लव' की गायिका नीति से जुड़े एक करीबी सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि शादी समारोह 14 फरवरी को वेलेंटाइन डे पर दोपहर में मेहंदी से शुरू होगा और उसके बाद उसी रात संगीत और सगाई होगी। शादी ताज फलकनुमा पैलेस में होगी जो हैदराबाद के निजाम का एक महल है। गायिका हर्षदीप कौर, जिन्होंने पिछले साल इटली के लेक कोमो में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के विवाह समारोह में प्रस्तुति दी थी, वह नीति और निहार की शादी के एक समारोह में प्रस्तुति दे सकती हैं। वहीं, शादी से पहले नीति अपनी बहन शक्ति, मुक्ति, कृति और आयुष्मान खुराना की पतनी ताहिरा खुराना के साथ गोवा में बैचलर पार्टी का जशन मनाती नजर आई थीं।

मनोज बाजपेयी की नयी फिल्म डिस्पैच की शूटिंग शुरू

नई दिल्ली। एक्टर मनोज वाजपेयी ने कानू बहल की फिल्म डिस्पैच की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने खबर की घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने सेट से अपनी एक तस्वीर साझा की और लिखा कि वह घर जैसा महसूस कर रहे हैं। एक थ्रिलर फिल्म डिस्पैच को सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म में मनोज का चरित्र खुद व्यवसाय और अपराध के दलदल में दबे हुए व्यक्ति का होगा।

मनोज बाजपेयी ने आज घोषणा की कि उन्होंने डिस्पैच की शूटिंग को किक स्टार्ट कर दिया है। उन्होंने सेट से अपनी एक तस्वीर साझा की जिसमें एक क्लैपर बोर्ड को भी देखा जा सकता है। उन्होंने लिखा, 'जहां घर जैसा महसूस होता है वहां वापस आकर शूट करना।

मनोज बाजपेयी 'डिस्पैच' में एक अलग किरदार निभाने के लिए उत्साहित हैं। इससे पहले एक बयान में, उन्होंने कहा था कि 'एक अभिनेता के रूप में मैं उन कहानियों का हिस्सा बनना चाहता हूं, जो मैं बताना चाहता हूं और जो कि बताने योग्य है। डिस्पैच एक ऐसी ही फिल्म है। डिजिटल युग के साथ, हमारी कहानियां अब दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंच सकती हैं और देखी जा सकती हैं, और मुझे विश्वास है कि इस फिल्म में बहुत सारे कलाकार होंगे क्योंकि यह हमारे समय के लिए प्रासंगिक है। मैं कानू बहल के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं जो बदलते समय के साथ अच्छी तरह से वाकिफ हैं और उनकी कहानी कहने के शिल्प पर पूरा नियंत्रण है।'

इस भोजपुरी एक्ट्रेस की चमकी किस्मत जल्द करने वाली हैं बॉलीवुड में एंट्री

नई दिल्ली। मिस जम्मू रह चुकीं अनारा गुप्ता के सितारे आजकल बुलंदियों पर हैं। भोजपुरी सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान कायम करने वालीं और लगभग हर स्टार के साथ काम कर चुकीं अनारा अब जल्द ही एक बॉलीवुड मूवी में दिखाई देंगी। इस हिंदी फिल्म में उनका किरदार एक प्रेस रिपोर्टर का होगा और अनारा गुप्ता अपनी इस फिल्म और अपने इस किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

दूसरी तरफ अनारा गुप्ता ने एकता कपूर की कंपनी एएलटी बालाजी की वेब सीरीज 'हीरो वर्दी वाला' में सलमा की भूमिका निभाई है।

उनका कहना है कि बालाजी की वेब सीरीज में काम करना उनके लिए गर्व की बात है। अनारा कहती हैं, 'सलमा की भूमिका को लोग बेहद पसंद कर रहे हैं। इस वेब सीरीज में महेश पांडेय के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। बालाजी के साथ काम करना और इस टीम के साथ जुड़ना ही मेरे लिए गर्व की बात है।' इस सीरीज में दिनेश लाल यादव निरहुआ एक दमदार पुलिसवाले के किरदार में हैं। इस सीरीज को एएलटी बालाजी एंटरटेंमेंट ऐप पर देखा जा सकता है। 'हीरो वर्दी वाला' में दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ तेजस्वी प्रताप नामक पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। इसका निर्माण मधु पांडे और महेश पांडे ने किया है।

अनारा का कहना है, 'मुझे अलग-अलग तरह के किरदार निभाने में मजा आता है। अपने सभी किरदार में कुछ नया करने की कोशिश करती हूं। मैं गाना भी वही चुनती हूं, जिसमें नयापन हो। मैं अपने काम में काफी मेहनत भी करती हूं।' वहीं, बॉलीवुड में एंट्री को लेकर अनारा गुप्ता काफी उत्साहित हैं।

बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में रणवीर सिंह ने मचाई धूम, तालियों से गूंज उठा हॉल

मुम्बई। 69वें बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में जोया अख्तर की 'गली बॉय' का प्रीमियर रख गया। इस मौके पर फिल्म की पूरी टीम जर्मनी पहुंची हुई है। देश के बाद विदेश में भी रणवीर ने अपनी फिल्म के फेमस ट्रैक 'अपना टाइम आएगा' पर लाइव परफॉर्म करके फैंस का दिल जीत लिया। बता दें कि रणवीर को वहां मौजूद लोगों का भरपूर साथ मिला। ये बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहली बार हुआ है जब किसी भारतीय एक्टर ने हजारों लोगों के सामने लाइव परफॉर्म किया। रणवीर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रणवीर अपनी कामयाबी से बहुत खुश है। एक इंटरव्यू के दौरान रणवीर ने बताया कि संघर्ष के दिनों में लीड एक्टर बनने का एहसास शायद बहुत दूर था।

चक्का जाम के कारण बॉबी देओल की आगामी फिल्म 'लव हॉस्टल' की शूटिंग बाधित

चंडीगढ़। किसान पंजाब के पटियाला जिले में तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों ने अभिनेता बॉबी देओल की आगामी फिल्म 'लव हॉस्टल' की शूटिंग बाधित कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार पटियाला जिले में देवीगढ़ के समीप मेहोन गांव के एक मकान में शुक्रवार को शूटिंग के दौरान यह घटना घटी। जुल्कान थाने के निरीक्षक हरमनप्रीत सिंह के अनुसार करीब 150-200 लोग वहां पहुंच गये और उन्होंने फिल्म की शूटिंग रूकवा दी। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा कि वे शूटिंग नहीं होने देंगे क्योंकि अभिनेता के परिवार से किसी ने भी प्रदर्शनकारी किसानों के समर्थन में बयान नहीं दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के समय बॉबी देओल मौके पर मौजूद नहीं थे। 'लव हॉस्टल' अपराध पर आधारित एक फिल्म है और उसमें विक्रांत मैसे एवं सान्य मल्होत्रा भी हैं। इससे पहले किसानों ने जाह्वी कपूर की आगामी फिल्म 'गुडलक जेरी' की शूटिंग तीन बार रूकवायी थी। उन्होंने मांग की कि कपूर प्रदर्शनकारी किसानों के समर्थन में बयान दें।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की इस एक्ट्रेस की हुई सगाई, बीच किनारे लगा सितारों का मेला

नए साल में टीवी एक्ट्रेस मोहेना सिंह कुमारी ने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत की है। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम मोहेना को उनके फैंस कीर्ति के नाम से जानते हैं। मोहेना ने गोवा के बीच के किनारे गोवा में सुयश रावत संग सगाई कर ली। मोहेना की सगाई की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में उनके फेमस शो के सितारे भी साथ नजर आ रहे हैं। बता दें कि मोहेना की शादी की खबरें पिछले दिनों चर्चा में थीं। छोटे पर्दे के फेमस सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से कीर्ति सिंघानिया के नाम से अपनी पहचान बनाने वाली 30 साल की एक्ट्रेस मोहेना कुमारी सिंह मध्यप्रदेश के रीवा के पूर्व राजघराने की राजकुमारी हैं। उनके पिता पुष्पराज सिंह रीवा के पूर्व महाराजा और कांग्रेस पार्टी के नेता हैं। वहीं, बड़े भाई दिव्यराज सिंह मौजूदा विधायक है। टीवी शो 'डांस इंडिया डांस 3' से बतौर डांसर अपने करियर का आगाज करने वाली मोहेना कुमारी सिंह इस साल शादी के बंधन में बंध सकती है। यह एक्ट्रेस 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल में नक्ष की पत्नी कीर्ति के किरदार में नजर आती है। बता दें कि मोहेना इस शो की दूसरी एक्ट्रेस है, जो शादी के बंधन में बंधने जा रही है। इससे पहले पिछले साल एक्ट्रेस पारुल चौहान भी अपने बॉयफ्रेंड चिराग ठाकुर से शादी करके घर बसा चुकी है। पारुल इस सीरियल में कीर्ति की मां का किरदार निभाती है।

भोजपुरी स्टार खेसारीलाल यादव का कृष्णा ने ऐसे उड़ाया मजाक

मुम्बई। भोजपुरी के सुपरस्टार खेसारीलाल यादव नाम लोगों के बीच काफी मशहूर है और हर कोई उनके फिल्मी अंदाज से लेकर उनके गानों तक का खूब शौकीन है। चाहे उनकी फिल्में हो या फिर उनके गाने, भोजपुरिया सिनेमा के फैन को उनका अंदाज खासा पसंद आता है। वहीं, छोटे पर्दे के स्टार और मशहूर कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने एक इवेंट पर खेसारीलाल का मजाक उड़ाया है।

एक इवेंट के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कृष्णा ने कहा कि भोजपुरी के तमाम दिग्गज अभिनेता से उनकी ताल्लुक अच्छी है। उन्होंने कहा कि मनोज तिवारी को अच्छी तरह से जानते हैं और रवि किशन तो उनके दोस्त हैं और रवि किशन के घर उनका आना जाना होता है।

इसी बीच उनसे जब पूछा गया कि हाल ही में बिहार के वैशाली में खेसारीलाल यादव पर स्टेज शो के दौरान पत्थरबाजी की गई थी और उनके गाड़ी पर भी हमला किया गया था, इस बार आपका क्या कहेंगे

इस सवाल का जवाब देते हुए कृष्णा ने कहा, 'ये तो अच्छी बात है जब पब्लिक इस तरह से करती है तो वह एक्टर को बहुत प्यार करती है। जब पत्थर पड़े, लोग इधर उधर भागें गिरें तो इसका मतलब वो स्टार बन गया, ये तो बहुत अच्छी बात है। मुझे खुशी है इस बात की। कोई बात नहीं उनकी हम नई गाड़ी दिलवा देंगे'। हालांकि कृष्णा ये सारी बातें मजाक में कर रहे थे, उन्होंने तो बाद में यह भी कहा कि दरअसल वह इस खबर से अनजान थे।

बता दें, खेसारीलाल इन दिनों भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी के साथ फिल्म 'कुली नंबर वन' की शूटिंग में व्यस्त हैं। कभी वे बाइक पर काजल को लेकर राइडिंग करते नजर आ रहे हैं, तो कभी वे उनके साथ इश्क फरमाते। मामला लालबाबू पंडित की भोजपुरी फिल्म 'कुली नंबर वन' का है, जिसकी शूटिंग इन दिनों रांची में जोर-शोर से चल रही है।

कंगना बनाम दिलजीतः पॉप स्टार रिहाना के कमेंट के बाद दोनों के बीच फिर छड़ी जंग

मुंबई। अभिनेत्री कंगना रनौत और अभिनेता दिलजीत दोसांझ बुधवार को फिर से ट्विटर पर भिड़ गए, जिसमें फिल्म क्वीन की अभिनेत्री ने किसान आंदोलन का समर्थन करने वाली रिहाना के लिए गायक-अभिनेता दोसांझ द्वारा विशेष गीत समर्पित करने की आलोचना की जिसके बाद दोसांझ ने ट्वीट कर रनौत से उन्हें बोर नहीं करने के लिए कहा। दिसंबर में पंजाब की महिला किसान को गलत पहचान कर उनके बारे में गलत टिप्पणी करने वाली कंगना को दोसांझ ने ट्विटर पर आड़े हाथों लिया था और दोनों के बीच विवाद छिड़ गया था। रिहाना ने मंगलवार को ट्विटर पर किसानों के प्रदर्शन स्थल पर इंटरनेट बाधित करने की सीएनएन की रिपोर्ट साझा करते हुए लिखा था कि "हम इस बारे में बात क्यों नहीं कर रहे हैं।" रिहाना द्वारा किसानों का समर्थन करने के बाद दिलजीत ने उनसे प्रभावित होकर उन्हें एक गीत समर्पित किया जिसका शीर्षक 'रिरी(रिहाना)' है। यह गीत 2.16 मिनट लंबा है। इसके बाद कंगना ने दिलजीत की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा,'उसे भी एक-दो रुपये कमाने होंगे। तुम इसकी कब से योजना बना रहे थे। एक गीत रिलीज करने में कम से कम एक महीने का समय लगता है, और ये लिब्रू चाहते हैं कि हम यह मान लें कि यह तुरंत बनाया गया है।' दिलीजीत ने भी जवाब देते हुए लिखा,'तुम्हें हर जगह क्यों बोलना होता हैं, जाओं यहां से और मुझे बोर मत करो। तुम मुझे कुछ करने से रोकने वाली होती कौन हो। तुम्हारे बारे में कोई बात नहीं कर रहा है।

महिलाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी

देश बदल रहा है महिलाओं की दशा में सुधार आ रहा है, समय के साथ साथ नारी शक्ति और सशक्त होती जा रही है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है ये बात तो सत्य है, किन्तु परिवर्तन का क्या परिणाम हुआ है और क्या होगा और उस परिवर्तन को आने वाली पीढ़ी को किस प्रकार स्वीकार करती है और इससे क्या सीख लेती है ये बात अधिक महत्त्व रखती है। देखा जाए तो हर युग में प्रतिभाशाली महिलाएँ रही हैं और हर युग में उन्होंने अपनी प्रतिभा से समाज में उदाहरण प्रस्तुत किया है जैसे- सीता, सावित्री, द्रौपदी, गार्गी आदि पौराणिक देवियों से लेकर रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्या बाई होल्कर, रानी चेनम्मा, रानी पद्मिनी, हाड़ी रानी आदि महान रानियों से लेकर इंदिरा गाँधी और किरण बेदी से लेकर सानिया मिर्ज़ा आदि आधुनिक भारत की महिलाओं ने भारत को विश्व भर में गौरवान्वित किया और महिलाओं ने धरती पर ही नहीं अपितु अन्तरिक्ष में भी अपना परचम लहराया है इनमें सुनीता विलियम्स और कल्पना चावला प्रमुख हैं।

यह सही है कि हर युग में महिलाओं ने अपनी योग्यता का परचम लहराया है, लेकिन फिर भी यह देखने को मिलता है कि हर युग में उन्हें भेदभाव और उपेक्षा का भी सामना करना पड़ा है। महिलाओं के प्रति भेदभाव और उपेक्षा को केवल साक्षरता और जागरूकता पैदा कर ही खत्म किया जा सकता है। महिलाओं का विकास देश का विकास है। महिलाओं की साक्षरता, उनकी जागरूकता और उनकी उन्नति ना केवल उनकी गृहस्थी के विकास में सहायक साबित होती है बल्कि उनकी जागरूकता एवं साक्षरता देश के विकास में भी अहम् भूमिका निभाती है। इसीलिए सरकार द्वारा आज के युग में महिलाओं की शिक्षा और उनके विकास पर बल दिया जा रहा है, गाँव और शहर में शिक्षा के प्रचार प्रसार के व्यापक प्यास किये जा रहे हैं। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और अन्याय के प्रति आवाज उठाने की हिम्मत प्रदान ही असल में नारी सशक्तिकरण है।

इधर कुछ वर्षों में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों में वृद्धि हुई है जोकि बहुत ही चिन्तनीय है। शहर भी महिलाओं के लिए असुरक्षित हो चले हैं। कुछ असामाजिक तत्वों के कारण महिलाओं को पर्दे में रखने की सोच का जन्म होता है किन्तु सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वह पर्दे में सुरक्षित रहेंगी? घर से बाहर ही नहीं बल्कि घर में भी महिलाओं के साथ आपराधिक घटनाओं के साथ ही घरेलू हिंसा और यौन अपराधों में वृद्धि हो रही है। पर्दे में या दरवाजों के भीतर महिलाओं को बन्दिनी बनाकर रखना इन सबका हल नहीं है। जरूरत है उन बंद दरवाजों को खोलने की, रौशनी को अंदर आने देने की, उस प्रकाश में अपना प्रतिबिम्ब देखने की, उसे निहारने की, निखारने की। इस कड़ी में एक अहम दरवाजा आत्म निर्भरता और आर्थिक आत्मा निर्भरता का भी है। जरूरत है हमें अपने अस्तित्व को पहचानने की और इसको बनाये रखने की और एक कदम बढ़ाने की।

हम लड़कियों को बचपन से ही सिखाया जाता है की पाक कला और गृहकार्य में निपुणता ही एक नारी के लिये परिपूर्णता है। क्या कभी किसी ने इस बात पर जोर दिया कि उनका पढ़ना लिखना भी उतना ही जरूरी है जोकि उनके बेहतर भविष्य के लिए बहुत ज़रूरी है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना भी आज के समय में उतना ही आवश्यक है। आर्थिक रूप से सक्षम होना केवल परिवार के लिए नहीं अपितु अपने लिए भी आवश्यक है। शिक्षा का महत्त्व तब पता चलता है जब परिवार आर्थिक संकट से गुज़र रहा हो या किसी भी लड़की के वैवाहिक जीवन में अचानक परेशानी आ जाए। तब शिक्षा और आत्म निर्भरता से ही एक लड़की को ना तो अपने माता पिता पर और ना ही अपने पति पर निर्भर रहना पड़ता है। पैसे से खुशियां नहीं खरीदी जा सकतीं लेकिन एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए के लिए धन की आवश्यकता होती है।

एक सुखी जीवनयापन के लिए किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी अति आवश्यक है है जोकि हमारे कौशल में निखार लाता है और हमारे व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव में वृद्धि करता है। व्यवहारिकता, अनुभव और कौशल विपरीत से विपरीत स्थिति में भी जीवनयापन में सहायता करता है। ऐसा नहीं है कि अशिक्षित महिलाओं में कौशल एवं हुनर कम है। कृषि, कुटीर उद्योग, पारम्परिक व्यवसाय, पशुपालन, दुग्ध व्यवसाय जैसे कार्यों में महिलाओं को अपने इस हुनर को बाहर लाना है और देश की अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनना है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ शिक्षा के अभाव और आर्थिक पिछड़ेपन के और विकृत मानसिकता के कारण विभिन्न आडम्बरों एवं अन्धविश्वासों के चलते महिलाओं का शोषण किया जाता है। ऐसे स्थानों पर महिलाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक किया जाना चाहिये एवं आत्मरक्षा के तरीके भी सिखाये जाने चाहिये।

पुरूषों की भाँति महिलाएँ भी देश की समान नागरिक हैं और उन्हें भी स्वावलम्बी होना चाहिये ताकि समय आने पर वह व्यवसाय कर सकें और अपने परिवार को चलाने में मदद कर सकें। यही जागरूकता ही तो उनके, उनके परिवार के व देश के विकास को गति देगी एवं एक नई दिशा देगी। एक खुशहाल भविष्य की कामना करते हुए इस बात का संकल्प कीजिये- मैं अपने हुनर को पहचानूँगी और स्वावलम्बी बनकर दूसरों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनूँगी, मैं खुद एक आत्मनिर्भर लड़की हूँ जोकि घर और ऑफिस दोनों को मैनेज करती हूँ। ना मैं डॉक्टर हूँ, ना मैं वकील और ना ही अध्यापिका ही, पर हाँ मैं शिक्षित हूँ और एक प्राइवेट कंपनी में काम करती हूँ और इस बात से खुश हूं कि मैं आत्मनिर्भर हूँ।

आरामतलब हैं? तो आप पर नजरें गड़ाए बैठा है बुढ़ापा

अधिक उम्र की महिलाओं को अगर आराम तलबी पसंद है तो उन्हें सावधान हो जाना चाहिए क्योंकि ऐसी महिलाओं को बुढ़ापा बहुत तेजी से अपनी चपेट में लेता है। ऐसी महिलाएं जो दिन में दस घंटे से अधिक समय तक कम शारीरिक मेहनत वाला कामकाज करती हैं उनकी कोशिकाएं जैविक रूप से आठ साल अधिक बूढ़ी हो जाती हैं। अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के सेन डियागो स्कूल आफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने अपने एक शोध में पाया कि ऐसी महिलाएं जो प्रति दिन 40 मिनट से कम समय तक हल्की से भारी शारीरिक मेहनत का काम करती हैं उनके शरीर में टेलोमीरिज छोटे होते हैं।टेलोमीरिज गुणसूत्रों को विनष्ट होने से बचाने वाले डीएनए स्ट्रेंड के अंतिम हिस्सों पर लगे छोटे छोटे कैप होते हैं। उम्र बढ़ने के साथ ये तेजी से और छोटे होते जाते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है ये टेलोमीरिज प्राकृतिक रूप से छोटे और नाजुक होते जाते हैं लेकिन स्वास्थ्य और जीवनशैली जैसे कि मोटापा तथा धूम्रपान से यह प्रक्रिया और तेज हो जाती है। टेलोमीरिज के छोटे होने का संबंध हृद्य संबंधी बीमारियों और कई प्रकार के प्रमुख कैंसरों से होता है। यूसी सेन डियागो की शोध टीम के प्रमुख लेखक अलादीन शादाब कहते हैं, ''हमारे शोध में यह पता चला है कि अगर आरामतलब जीवनशैली है तो कोशिकाएं तेजी से बूढ़ी होती हैं। वास्तविक उम्र हमेशा जैविक उम्र के बराबर नहीं होती है। शोधकर्ताओं का मानना है कि उन्होंने पहली बार इस बात का पता लगाया है कि किस प्रकार आरामतलब जीवनशैली और कसरत मिलकर बढ़ती उम्र को प्रभावित कर सकते हैं। इस शोध में 64 से 95 साल की उम्र की करीब 1500 महिलाओं ने भाग लिया। शादाब ने बताया, ''हमने पाया कि जो महिलाएं अधिक समय तक बैठी रहती हैं लेकिन यदि वे प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट तक कसरत करती हैं तो उनके टेलोमीरिज छोटे नहीं पाए गए। वह कहते हैं, ''कसरत के फायदों के बारे में उसी समय बताया जाना चाहिए जब हम युवा होते हैं और शारीरिक गतिविधियां हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होनी चाहिए, यहां तक कि 80 साल की उम्र में भी।''

रात के बचे चावलों से बना सकते हैं बहुत कुछ

चावल हमारे भोजन का अहम हिस्सा होता है। कुछ घरों में तो बिना चावल के भोजन पूरा ही नहीं होता। लेकिन अक्सर घरों में चावल बच जाते हैं और आप सुबह सोचते हैं कि इसके साथ नया क्या बनाया जाए। जब भी बचे हुए चावलों की बात होती है तो दिमाग में सिर्फ फ्राइड राइस का ही ख्याल आता है, लेकिन बचे हुए चावलों से आप और भी बहुत कुछ बना सकते हैं। तो आईए जानते हैं बचे हुए चावलों को नए अंदाज में पकाने के तरीके के बारे में- **मैंगो राइस** : इसे बनाने के लिए आपको तीन कप बचे हुए चावल, एक कप कद्दूकस आम, व कुछ मसालों की आवश्यकता होगी। सर्वप्रथम, एक पैन में तेल गर्म करके उसमें राई के दाने, एक चम्मच चना दाल व दो चम्मच उड़द दाल, करीपत्ता, साबुत लाल मिर्च, हरी मिर्च, हींग, मूंगफली के दाने आदि डालें। जब दालों का रंग भूरा होने लगे तो इसमें कद्दूकस अदरक डालकर कुछ सेंकड के लिए हिलाएं। अब इसमें हल्दी व आम

को मिलाकर दो-तीन मिनट के लिए चलाते रहें। अब इसमें स्वादानुसार नमक मिलाएं। अंत में इसमें रात के बचे चावल मिलाएं और अच्छे से मिक्स करें। आपका मैंगो राइस तैयार है। वैसे आप मैंगो राइस की ही तरह लेमन राइस, टोमेटो राइस, कोकोनट राइस, करीपत्ता राइस, धनिया-पुदीना राइस व मसाला राइस आदि बना सकती हैं। **राइस इडली** : रात के चावलों को सुबह इस्तेमाल करने का एक बेहतरीन तरीका है कि आप उसे नाश्ते में बतौर इडली पेश करें। इससे आपके नाश्ते की टेंशन भी खत्म हो जाएगी और परिवार के लोगों को पता भी नहीं चलेगा कि आपके रात के बचे हुए चावलों का इस्तेमाल किया है। हालांकि इडली को नाश्ते में परोसने के लिए आपको थोड़ी तैयारी रात को ही करनी होगी। इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले बचे हुए चावल, हरी मिर्च, नमक को एक कप दही के साथ मिक्सी में डालकर अच्छे से पीसें ताकि वह एक पेस्ट बन जाए। अब एक बड़ा बर्तन लेकर उसमें तैयार किया मिश्रण, राइस रवा और दो कप पानी मिलाकर रातभर यूं ही रहने दें ताकि वह अच्छे से फूल जाए। सुबह के समय इस मिश्रण को अच्छे से बैटर करें, इससे आपकी इडलियां बेहद सॉफ्ट बनेंगी। अब इसमें कटी हुई करीपत्ता, अदरक व धनिया अच्छे से मिक्स करें। अब एक बार इडली के बैटर की कंसिसटेंसी चैक करें। अगर आपको बैटर थोड़ा गाढ़ा लगे तो आप उसमें थोड़ा पानी भी मिला सकती हैं। इसके बाद इडली के मोल्ड निकालकर उसे तेल या घी की मदद से ग्रीस करें। फिर इनमें बैटर डालें और 15 से 20 मिनट के लिए भाप पकाएं। आप चाकू की मदद से यह भी जान सकते हैं कि आपकी इडली पक गई है या नहीं। इसके लिए इडली में चाकू लगाएं, अगर वह एकदम साफ बाहर निकल जाए तो इसका अर्थ यह है कि वह अच्छी तरह पक गई है। इसे दो मिनट तक रेस्ट करने दें और फिर उसे मोल्ड में से निकाल दें। आपकी इडली तैयार है। आप इसे सांभर व नारियल चटनी के साथ परोस सकते हैं।**चावल की रोटी** : अगर आपने चावल को कभी रोटी के रूप में नहीं खाया तो एक बार इसे भी ट्राई करके देखिए। इसे बनाने के लिए आप चार बड़े चम्मच बचे हुए चावलों में डेढ़ कप चावल के आटे, दो चम्मच लहसुन, की हुई हरी मिर्च, कददूकस अदरक, तीन टेबलस्पून दही, दो टेबलस्पून तेल व स्वादानुसार नमक को मिक्स करके पानी की मदद से आटा तैयार करें। इसके बाद आप उस आटे की मदद से रोटी बेलकर सेंके। आपकी चावल की रोटी तैयार हैं। आप चाहें तो इसी प्रकार परांठा भी तैयार कर सकती हैं। इसे आप अचार या चटनी के साथ गर्मागम परोसें।

ब्रेड को जैम से खाते खाते बोर हो गये? जानें कुछ नए तरीके

जब भी सुबह के नाश्ते की बात होती है तो अक्सर घरों में ब्रेड, मक्खन व जैम का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन हर रोज ब्रेड को जैम या मक्खन के साथ खाने के लिए तैयार नहीं होता। ऐसे में मन करता है कि ब्रेड को कुछ नए तरीके से खाया जाए या फिर कभी-कभी जब ब्रेड बच जाती है तो मन में ख्याल आता है कि इसे कुछ इस तरह से पेश किया जाए कि हर कोई उसे खाने के लिए तैयार हो जाए। तो आइए जानते हैं बची हुई ब्रेड को कुछ नए तरीके से बनाने की रेसिपी के बारे में...

ब्रेड चाट : ब्रेड चाट बनाने के लिए आपको ब्रेड के टुकड़ों के अतिरिक्त आधा कप मटर, आधा कप दही, एक चौथाई अनार के दाने, इमली की चटनी, हरी चटनी, भुना हुआ जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, उबले आलू, बारीक कटे प्याज व टमाटर, कटा हुआ हरा धनिया, सेव व बूंदी सामग्री की आवश्यकता होगी। ब्रेड चाट बनाने के लिए आपको पहले कुछ तैयारियां करनी होंगी। मसलन, सबसे पहले आप कूकर में मटर डालकर उसमें हल्दी, नमक, लाल मिर्च, गरम मसाला व इमली का रस डालकर उबाल लें। इससे आपकी एक सेमीथिक ग्रेवी बन जाएगी, जिसे रगड़ा कहा जाता है। साथ ही ब्रेड चाट बनाने के लिए आप ब्रेड के टुकड़े क्रिस्पी होने चाहिए। इन्हें क्रिस्पी बनाने के लिए आप ब्रेड के टुकड़ों को ओवन में रखें या फिर इन्हें टोस्ट कर लें। वैसे जब ब्रेड पुरानी हो जाती है तो वह खुद ब खुद क्रिस्पी हो जाती है। इसके बाद आप दही में हल्का सा नमक व चीनी मिलाकर उसे अच्छे से फेंट लें। अब आप चाट आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए एक सर्विंग डिश में कुछ ब्रेड के टुकड़े रखें। इसके बाद इसमें उबली हुई मटर विद ग्रेवी डालें। अब इसमें उबले हुए आलू के टुकड़े, कटे हुए प्याज, टमाटर डालें। अब इसमें थोड़ी सी इमली की चटनी और हरी चटनी डालें। अंत में इसमें लाल मिर्च, जीरा पाउडर, फेंटी हुई दही, चाट मसाला, सेव, बूंदी व हरा धनिया छिड़क दें। आप इस ब्रेड चाट को शाम के समय स्नैक्स की तरह खा सकते हैं।**ब्रेड उपमा** : ब्रेड उपमा बनाने के लिए आपको ब्रेड के टुकड़ों के अतिरिक्त प्याज, हरी मिर्च, अदरक, हल्दी पाउडर, नींबू का रस, धनिया व स्वादानुसार नमक की जरूरत होगी। वहीं तड़के के लिए आपको तेल के अतिरिक्त सरसों के बीज, जीरा, एक छोटा चम्मच उड़द की दाल, 8-10 काजू व करी पत्ते इस्तेमाल करने होंगे। सबसे पहले ब्रेड के टुकड़ों को छोटे टुकड़ों मे काट लें या फूड प्रोसेसर की मदद से भी इनके टुकड़े किए जा सकते हैं। अब एक पैन में घी गरम करें व उसमें सरसों के बीज, जीरा, उड़द की दाल, काजू व करीपत्ता डालें। इसके पश्चात् इसमें प्याज डालें व हल्के हाथों से चलाएं। अब इसमें हल्दी पाउडर, हरी मिर्च व कसा हुआ अदरक डालें। अब इसमें कटे हुए ब्रेड के टुकड़े व नमक डालकर एक-दो मिनट के लिए चलाएं। यअगर आप अंडा खाना पसंद करते हैं तो ब्रेड डालने के बाद आप एक अंडा तोड़कर उसे भी ब्रेड के साथ मिक्स कर सकते हैं। साथ ही इसमें थोड़ा सा गरम मसाला भी मिक्स किया जा सकता है। अब अंत में आप अपने स्वादानुसार इसमें थोड़ा सा नींबू का रस व बारीक कटा हुआ हरा धनिया मिलाकर सर्व करें। अगर आपके पास पुरानी ब्रेड है तो उससे ब्रेड उपमा बनाना एक अच्छा आईडिया हो सकता है। **शाही टुकड़ा** : ऐसा जरूरी नहीं है कि आप ब्रेड की मदद से कुछ नमकीन ही बनाएं। अगर आपका मीठा खाने का मन है तो आप वह भी ब्रेड की मदद से बना सकते हैं। ऐसी ही एक स्वीट डिश है शाही टुकड़ा। इसे घर पर पुरानी ब्रेड की मदद से आसानी से बनाया जा सकता है। इसे बनाने के लिए आपको तीन स्टेप करने होंगे। सबसे पहले दूध व चीनी की मदद से रबड़ी बनानी होगी। फिर आप चीनी व पानी की मदद से चाशनी बनाएं और अंत में ब्रेड को तैयार करना होगा। शाही टुकड़ा बनाने के लिए आपको ब्रेड के टुकड़ों के अतिरिक्त दूध, चीनी, पानी, घी, इलायची पाउडर, केसर व नटस आदि की आवश्यकता होगी। इसे बनाने के लिए सर्वप्रथम किसी भारी तले वाले पैन में दूध गर्म करने के लिए रखें और मध्यम आंच पर दूध को चलाते हुए 40 से 45 मिनट तक पकाएं। इस तरह दूध पककर एक चौथाई रह जाएगा। अब इस दूध में चीनी, इलायची पाउडर व केसर मिलाएं व गैस को बंद कर दें। अगर आप घर पर रबड़ी नहीं बनाना चाहतीं तो आप बाजार से स्वीटेंड कंडेंस्ड मिल्क भी खरीद सकती हैं। अब पानी में चीनी मिलाकर उसे उबालें। इससे आपकी चाशनी बन जाएगी। अब इसे एक तरफ रखें। अब ब्रेड को अपने मनपसंद शेप में काटें। इसे काटने के लिए आप कुकी कटर का भी उपयोग कर सकती हैं। अगर आप बच्चों के लिए शाही टुकड़ा बना रही हैं तो बेहतर होगा कि आप स्टार या अन्य किसी प्यारी सी शेप में ब्रेड के टुकड़े को काटें। अब एक फ्राइंग पैन में घी गर्म करें और इसमें ब्रेड को शैलो फ्राई करें। इस दौरान आपकी ब्रेड गोल्डन ब्राउन होकर क्रिस्पी हो जाएगी। अब इस ब्रेड को 30 सेंकड के लिए चाशनी में डुबोएं। अब इस ब्रेड को प्लेट में लगाएं और ब्रेड के ऊपर से रबड़ी डालें। इसके पश्चात् अपने शाही टुकड़े को सजाने व उसे और भी अटैक्टिव बनाने के लिए उस पर कटे हुए नटस रखें। आपका शाही टुकड़ा तैयार है।

रात की सब्जी से बनाएं लज़ीज़ परांठे, कटलेट व रोल्स

भारतीय घरों में खाना बिना सब्जी के पूरा नहीं होता लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है कि रात में बनाई हुई सब्जी पूरी तरह खत्म हो जाए। ऐसे में समस्या यह उत्पन्न होती है कि उस बची हुई सब्जी को कोई भी खाने के लिए तैयार नहीं होता और उसे फेंककर खराब नहीं किया जा सकता। अब इस परेशानी से निपटने का एक सबसे अच्छा तरीका यह होता है कि उसे नए अंदाज में पेश किया जाए। शायद आपको पता न हो कि सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं, बल्कि उसका प्रेजेंटेशन भी लोगों को आकर्षित करता है। तो आईए जानते हैं रात की बची हुई सब्जियों को नए तरीके से पेश करने की कुछ अद्भुत रेसिपी के बारे में **परांठे की पेशकश** : अगर आपने रात में सूखी सब्जी बनाई थी तो उसे आप सुबह के समय बतौर परांठे की स्टफिंग बनाकर तैयार कर सकती हैं और नाश्ते की तैयारी कर सकती हैं। अगर घर में नाश्ते में परांठे नहीं खाते तो उसी सब्जी को ब्रेड के बीच में भरकर वेजीटेबल सैंडविच बनाना भी एक अच्छा आईडिया हो सकता हैं। सैंडविच में आप चाहें तो चीज का इस्तेमाल भी करें। इस तरह आप परांठे या बतौर सैंडविच आलू, बीन्स, गोभी, मटर, गाजर व पनीर की भुरजी से एक बेहद स्वादिष्ट नाश्ता तैयार कर सकती हैं। वहीं अगर आपकी सब्जी सूखी हुई नहीं है तो भी आप सब्जियों के पानी को सुखाकर एक ड्राई स्टफिंग तैयार कर सकती हैं। साथ ही सब्जियों के फ्लेवर को बढ़ाने के लिए आप बारीक कटे प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया आदि का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। **कटलेट** : रात की बची हुई सब्जी से कटलेट बनाने के लिए आपको सबसे पहले सब्जी करी या ग्रेवी को ड्राई करना होगा। ग्रेवी को ड्राई करने के लिए आप उसमें चीज और ब्रेड क्रम्स मिला दें। इससे आपके कटलेट और भी अधिक क्रिस्पी व स्वादिष्ट बनेंगे। अब सब्जी, चीज और ब्रेड क्रम्स को अच्छे से मिक्स करें व उनसे कुछ छोटी-छोटी बाल्स तैयार कर लें। अब उसे अपना मनपसंद आकार दें। अब एक पैन में ऑयल गर्म करें व कटलेट को फ्राई करें। आपके गर्मागर्म कटलेट तैयार हैं। इसे कैचअप के साथ सर्व करें। **सूप** : आपकी सब्जी चाहे जो भी हो, उसे सूप के रूप में पेश करके आप सबका दिल खुश कर सकती हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले लहसुन को कुछ हल्का सा भुनना है। फिर बची हुई सब्जी से वेजीटेबल स्टॉक बना लें। अब इस स्टॉक को अपने पैन में डालकर उबाल आने दें। आप बाद में अपने स्वादानुसार इसमें नमक, काली मिर्च व हरा धनिया आदि भी मिक्स कर सकती हैं।**रोल्स व रैप्स** : अगर आपको सुबह के समय जल्दी है तो बेहतर होगा कि आप अपनी रात की बची हुई सब्जी से रैप्स बना लें। यह आपकी बोरिंग सी रोटी को तो मजेदार बनाएगा ही, साथ ही जल्दी के कारण आप इसे रास्ते में भी खा सकती हैं या बच्चों के लंच में पैक कर सकती हैं। इसे बनाने के लिए आप अपनी पालक पनीर, आलू मटर या बैंगन का भर्ता जैसी सब्जियों को अपनी रोटी के बीच में भरकर एक स्वादिष्ट रोल तैयार करें।**चना पास्ता** : अक्सर घरों में शाम के समय छोले या चने बनते हैं, लेकिन उन चनों को सुबह नाश्ते में खाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में आप इन बचे हुए चनों से चना पास्ता तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आप सबसे पहले किसी भी तरह के पास्ता को लेकर उसे पैक पर लिखे निर्देशों के अनुसार पका लें। अब एक भारी तली वाली कड़ाही में चना डालें व अपने स्वादानुसार इसमें कुछ मसाले भी मिलाएं। यह चना आपके पास्ते का बेस होगा। अब पास्ता को भी इसी कड़ाही में डालकर अच्छी तरह टॉस करें। आपका चना पास्ता तैयार है।

ग्वालियर-भिण्ड-इटावा मार्ग में स्थित क्वारी नदी पर निर्मित सेतु 27 नवम्बर से 10 दिसंबर तक प्रतिबंधित

जिला दण्डाधिकारी भिण्ड ने आमजन की जानमाल की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये आदेश जारी किया,पुल पर से यातायात की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए भारी वाहनों के आवागमन पर रोक

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी भिण्ड संजीव श्रीवास्तव ने आमजन की जानमाल की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये सर्वसाधारण को सूचित कर कहा है, कि उक्त सेतु का मरम्मत / संधारण कार्य करने हेतु पुल पर से यातायात की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए भारी वाहनों के आवागमन को दिनांक 27 नवम्बर 2023 प्रातः 07ः00 बजे से दिनांक 10 दिसंबर 2023 सांय 06ः00 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित किया है एवं हल्के वाहनों का आवागमन यथावत रहेगा।संभागीय अभियंता म.प्र. सड़क विकास निगम ग्वालियर द्वारा अवगत कराया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग सं0-719 (ग्वालियर-भिण्ड-इटावा मार्ग) के किमी0 96.00 में स्थित क्वारी नदी पर निर्मित सेतु लगभग 65 वर्ष पुराना है। उक्त सेतु पर वाहन आवागमन के दौरान अधिक कंपन होने के कारण तकनीकी परीक्षण मोबाईल ब्रिज इंस्पेक्शन यूनिट (एमबीएयू) के माध्यम से कराया जाने के उपरांत उक्त सेतु का मरम्मत / संधारण कार्य करने हेतु पुल पर से यातायात की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए भारी वाहनों के आवागमन को दिनांक 27 नवम्बर 2023 प्रातः 07ः00 बजे से दिनांक 10 दिसंबर 2023 सांय 06ः00 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित किये जाने हेतु अनुरोध किया है।उक्त अवधि में परिवर्तित मार्ग इटावा से भिण्ड की ओर आने वाले वाहन फूफ से ऊमरीङ्कभिण्ड अथवा फूफ से सूरपूरा-प्रतापपुरा-भिण्ड की ओर जायेंगे एवं भिण्ड से इटावा की ओर जाने वाले वाहन भिण्ड-ऊमरी-कनावर-फूफ अथवा भिण्ड-प्रतापपुरा-सूरपुरा-फूफ की ओर होते हुए जायेंगे।

सरकार किसी की भी बने , इस बार डिप्टी सीएम का फार्मूला भी

भोपाल/ ग्वालियर। मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनावों में मतगणना के बाद सरकार किसी भी दल की बने चाहे वह भाजपा हो या कांग्रेस , लेकिन इतना तय है कि अब मध्यप्रदेश में डिप्टी सीएम के फार्मूले भी चलेंगे। इस बार दोनों ही दलों में सीएम बनने की चाहत वाले नेताओं को संतुष्ट करने के लिये यूपी , महाराष्ट्र व छत्तीसगढ की तर्ज पर डिप्टी सीएम बनाया जायेगा। ताकि सत्तारूढ पार्टी के बडे नेताओं में समन्वय रहे। यदि भाजपा की सरकार बनती है तो सीएम के अलावा दो डिप्टी सीएम बनेंगे, इसमें एक दलित वर्ग से भी पार्टी के एक बडे नेता को संतुष्ट किया जायेगा। वहीं कांग्रेस की सरकार बनती है तो ग्वालियर-चंबल अंचल के एक बडे नेता को अब डिप्टी सीएम बनाना तय है। यह नेता कमलनाथ की पिछली सरकार में भी पावरफुल मंत्री रहे थे। कुल मिलाकर दोनों ही पार्टियां अब अंदर ही अंदर नाराजगी रोकने के लिये डिप्टी सीएम के फार्मूले पर काम कर रही है।

गो -ब्राह्मण ,संत एवं सद्गुरु कृपा से धर्म ,मोक्ष, भक्ति एवं सर्व कामनाओं की पूर्ति होती है-संत समर तीर्थ जी महाराज

ग्वालियर शुक्रवार को परमार्थ आश्रम ए वी रोड पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छटवे दिवस में महाराज जी ने बताया कि हमें गौ माता, ब्राह्मण, संत एवं सद्गुरु का सम्मान करना चाहिए और उनकी कृपा प्राप्त करना चाहिए क्योंकि ब्राह्मण की कृपा से धर्म, गौ माता की कृपा से सब कामनाओं की पूर्ति संतों की कृपा से भक्ति, एवं श्री सद गुरुदेव की कृपा से जीव को मोक्ष की प्राप्ति होती है भगवान श्री कृष्ण ने अवतार लेकर ब्राह्मणों का सम्मान गौ माता की सेवा संतों की सेवा एवं सांदीपनि गुरु के आश्रम में जाकर शिक्षा दीक्षा ग्रहण की साथ ही आज की कथा में बड़े धूमधाम के साथ भगवान श्री कृष्ण का

रुक्मणी जी के साथ विवाह हुआ मनीष कृष्ण जी महाराज ने वैदिक मंत्र उच्चारण कर विवाह संपन्न कराया उसके बाद भगवान श्री कृष्ण की रुक्मणी के साथ आरती उतारी जिसमें श्रीमती समीक्षा गुप्ता, श्रीमती माया सिंह पवैया, श्री कमल माखी जानी, मुरारी लाल मित्तल, धर्मेंद्र कुशवाहा पूर्व पार्षद, रमेश चंद्र सेन कार्यालय मंत्री, श्रीमती सपना आकाश पाल, ओमप्रकाश पाल ,जितेंद्र पाल, प्रमोद पाल, दीपक सूर्यवंशी, मदन परिहार, शंकर गोस्वामी, रामकृष्ण कुशवाह, एवं सभी भक्तों ने बड़े ही उत्साह से भगवान की आरती उतारी एवं आज की कथा को विश्राम दिया सूचना देते हुए मनीष कृष्ण शास्त्री जी ने बताया की *26 तारीख रविवार को15 कन्याओं का निशुल्क आदर्श विवाह किया जाएगा एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा* जिसमें सभी भक्त सादर आमंत्रित है कल शनिवार 25 नवंबर को कृष्ण और सुदामा चरित्र की कथा होगी

सरकार बनने पर कांग्रेस से सीएम कमलनाथ तय, भाजपा की ओर से तय नहीं शिवराज जा सकते हैं दिल्ली

भोपाल। मध्यप्रदेश में जैसे -जैसे मतगणना की तारीख 3 दिसंबर नजदीक आ रही है, वैसे -वैसे भाजपा और कांग्रेस में नेताओं की धडकन बढती जा रही है। धडकन इस बात की कि किसकी सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री का सेहरा किसके सिर बंधेगा। भाजपा में तो मुख्यमंत्री का नाम तय ही नहीं है। स्वयं भाजपा के नीति निर्धारक

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से लेकर पार्टी अध्यक्ष जेपी नडडा सहित दिग्गज नेता भी कह चुके हैं कि मध्यप्रदेश में हमने मुख्यमंत्री का चेहरा तय नहीं किया है। इसी कारण यह तय है कि अब शिवराज सिंह चौहान लगातार पांचवी बार मुख्यमंत्री नहीं होंगे, उन्हें पार्टी केन्द्र में ले जाकर केन्द्रीय मंत्री बना सकती है, या पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव बना सकती है। वहीं भाजपा में मुख्यमंत्री के नामों में पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, से लेकर केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया , प्रहलाद पटेल से लेकर मप्र मंत्री मंडल के वरिष्ठ सदस्य भूपेन्द्र सिंह, कमल पटेल के नाम सामने आ सकते हैं। कुल मिलाकर भाजपा में अब मुख्यमंत्री पद की गेंद आलाकमान के पाले में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह जिसे चाहेंगे, वह नया चेहरा ही क्यों न हो। वह ही सीएम पद पर आसीन हो सकता है।

लेकिन कांग्रेस में आलाकमान व संगठन से पहले से ही पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का नाम तय है। कांग्रेस की सरकार यदि बनती है तो ताजपोशी सिर्फ और सिर्फ कमलनाथ की ही होगी। कांग्रेस के सूत्र का कहना है कि चुनाव केवल पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में ही लडा गया है और जनता ने कमलनाथ को ही सर्वाधिक पसंद किया है इसीलिये कमलनाथ का पार्टी के सत्ता में आने पर मुख्यमंत्री बनना तय है।

ट्रेफिक जाम से हैरान परेशान आम जनता, बचाव के 10 सुझाव

ग्वालियर. शहर के प्रमुख बाजारों में ट्रेफिक जाम लगना एक आम बात हो गई है और जाम से परेशान है आम आदमी। रसूखदार तो स्वयं बाजार जाते ही नहीं। पुलिस प्रशासन कुछ दिन व्यवस्था बनाने में दिलचस्पी लेता हैं लेकिन समय बीतने के साथ वाहन चालकों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है। इस कष्टप्रद जाम से बचाव के लिए हम अपने स्तर पर क्या कर सकते हैं यह बता रहे हैं अरे ओ भिया फेम यातायात प्रबंधन मित्र राजकुमार जैनः

हर छोटे मोटे काम के लिए चौपहिया वाहन लेकर बाजार जाना कम करें।

अत्यंत आवश्यक होने पर चौपहिया वाहन मुख्य बाजार के अंदर तक ले जाने की बजाय आस पास उपलब्ध पार्किंग में पार्क कर पैदल या ई रिक्शा का उपयोग करें।

. खरीददारी करने कुछ परिवार एक साथ एक गाड़ी में जा सकते हैं।

यूं ही बाजारों की रौनक देखने और दिखाने चार पहिया वाहन लेकर पीक अवर में बाजार में ना घुसे।

. दुकान के एकदम सामने गाड़ी पार्क ना करें, थोड़ा पैदल चल लेने में कोई नुकसान नहीं है।

शासकीय स्वशासी और निजी आयुष महाविद्यालयों में काउंसिलिंग कार्यक्रम

ग्वालियर / भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग और राष्ट्रीय हौम्योपैथी आयोग से अनुमति प्राप्त शासकीय शासकीय स्वशासी और निजी आयुष महाविद्यालयों में एमपी ऑनलाइन के माध्यम से काउंसिलिंग की कार्यवाही की जा रही है। इसके लिये आयुष विभाग ने कार्यक्रम निर्धारित कर लिया है।काउंसिलिंग की कार्यवाही 16 नवम्बर से आरंभ हो चुकी है। आयुष महाविद्यालयों में रिक्त सीटों की स्थिति का प्रदर्शन 24 नवम्बर को किया गया है। इसके बाद इसी दिन मेरिट सूची का प्रकाशन और पात्रताधारी अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया गया है। काउंसिलिंग कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाइस फिलिंग) 25 से 27 नवम्बर तक की जा सकेगी। महाविद्यालयवार मेरिट सूची प्रकाशन (1×10) के आधार पर 28 नवम्बर को प्रातः 8 बजे होगी। महाविद्यालय में उपस्थिति दर्ज कराने की तिथि 29 नवम्बर को प्रातः 9 बजे से दोपहर 1ः30 बजे तक रहेगी। इसके बाद महाविद्यालय में रिपोर्टेड अभ्यर्थियों की मेरिट सूची का प्रकाशन 29 नवम्बर को दोपहर 2 बजे किया जाएगा। महाविद्यालय में अस्थाई प्रवेश 29 नवम्बर को ही दोपहर 2ः30 बजे से शाम 7 बजे तक लिया जा सकेगा।

डा. वासंती जोशी की स्मृति में कल्पवृक्ष आर्ट गैलरी का उदघाटन 25 को, रंगोत्सव राष्ट्रीय कार्यशाला भी होगी

ग्वालियर। ग्वालियर के जाने माने कलाकार डा. वासंती जोशी की स्मृति में 25 नवंबर को उनके द्वारा बनाये गये चित्रों का प्रदर्शन एवं कल्पवृक्ष आर्ट गैलरी का उदघाटन होगा। इसका उदघाटन विभागाध्यक्ष चित्रकला जेजे स्कूल आफ आटर्स मुंबई प्रो. डा. गणेश तरतरे के कर कमलों से सायं 5 बजे होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य फाइन आर्टस कालेज आगरा प्रो. डा. सरोज भार्गव करेंगी। अध्यक्ष प्रमोद कुमार जोशी एवं कोषाध्यक्ष पुनीत जोशी ने बताया कि कार्यक्रम 56 शक्ति विहार दर्पण कालोनी के पीछे थाटीपुर पर होगा। इस दौरान रंगोत्सव राष्ट्रीय कार्यशाला भी होगी। कार्यशाला 26 नवंबर को होटल सेलेब्रेशन इन शास्त्री नगर के सामने गांधी रोड पर प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक होगी। दूसरे दिन 27 नवंबर की कार्यशाला प्रातः 7 से 10 बजे तक बैजाताल मोतीमहल पर होगी। कार्यक्रम का समापन एवं प्रदर्शिकी 28 नवंबर को प्रातः 11 बजे होटल सेलेब्रेशन इन शास्त्री नगर के सामने गांधी रोड पर होगा। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पं. साहित्यकुमार नाहर होंगे। अध्यक्षता पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति पुरातत्व अध्ययनशाला जीवाजी यूनिवर्सिटी रामअवतार शर्मा करेंग

मिल-जुलकर अपनी समृद्ध धरोहर व विरासत को संरक्षित करें संभाग आयुक्त सिंह

ग्वालियर / धरोहर व विरासत का महत्व हम तभी समझ सकते हैं, जब हम उस समय के इतिहास से परिचित होंगे। हमारा इतिहास अत्यंत गौरवमयी रहा है। सिंध घाटी सभ्यता से लेकर अन्य ऐतिहासिक कालखंडों पर नजर डालें तो यह स्पष्ट होता है कि हमारे यहाँ कला व ज्ञान प्राचीन काल में भी अत्यंत परिष्कृत था। इस आशय के विचार संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने व्यक्त किए। सिंह ÷धरोहर के संरक्षण में जन सामान्य का योगदान÷ विषय पर आयोजित हुई व्याख्यान माला में बोल रहे थे। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब मिलकर अपनी समृद्ध धरोहर व विरासत का संरक्षण व संवर्धन करें। विश्व धरोहर सप्ताह के तहत शुक्रवार को यहाँ मोतीमहल स्थित राज्य संरक्षित स्मारक (दरबार हॉल) में इस व्याख्यान माला का आयोजन राज्य शासन के पुरातत्व विभाग एवं अभिलेखागार व संग्रहालय के तत्वावधान में किया गया। संभाग आयुक्त सिंह एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर व्याख्यान माला का शुभारंभ किया। विश्व धरोहर सप्ताह 19 से 25 नवम्बर तक मनाया जा रहा है। संभाग आयुक्त सिंह ने व्याख्यान माला में मौजूद प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिंध घाटी सभ्यता के दौरान ही स्मार्ट सिटी जैसी परिकल्पना को मूर्तरूप दिया गया था। जल निकास प्रणाली सहित सुनियोजित ढंग से नगर बसाए गए थे। पाषाण काल से ही लोगों ने कला को

अपनाया। मुरैना जिले के पहा?ग? क्षेत्र में स्थित लिखी छाछ की रॉक पेंटिंग इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा खुशी एवं गर्व की बात है कि ग्वालियर को यूनेस्को ने सिटी ऑफ म्यूजिक का दर्जा दिया है। हम सब आज संकल्प लें कि हम अपने आस-पास स्थित हैरीटेज व विरासत को संरक्षित करेंगे।इस अवसर पर एलईडी स्क्रीन के जरिए ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की पुरातात्विक धरोहरों एवं उन्हें सहेजने के लिये किए गए प्रयासों को प्रोजेक्टर के जरिए दिखाया गया। जिसमें क्षेत्र के किले व गड़ियाँ, नूराबाद स्थित गन्ना बेगम का मकबरा, दतिया जिले में स्थित महलनुमा बावड़ी तथा प्राचीन मूर्तियाँ व शैलचित्र शामिल हैं। व्याख्यान माला में उप संचालक पुरातत्व एवं अभिलेखागार पी सी महोबिया, जीवाजी विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष शांतिदेव सिसोदिया, माधव महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज अवस्थी, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के प्रो. कौशलेन्द्र गुप्ता ने व्याख्यान दिए। इस आयोजन में शोधार्थियों एवं विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व आचार्यों ने हिस्सा लिया।

गुरु के मार्गदर्शन में करें देवी की साधना : मां कनकेश्वरी महलगांव करोली माता मंदिर में श्रीमद् देवी भागवत कथा का आंठवा दिन

ग्वालियर। देवी की तंत्रोक्त पूजा निश्चित परिणाम दायक होती है लेकिन गुरु कृपा के बगैर आप इसके अधिकारी नहीं हो सकते। देवी की वैदिक पूजा करें या तंत्रोक्त पूजा गुरु के मार्गदर्शन में ही करें। यह विचार अग्नि अखाड़े की महामंडलेश्वर मां कनकेश्वरी देवी ने महलगांव स्थित करौली माता एवं कुंवर महाराज मंदिर प्रांगण में श्रीमद् देवी कथा का सरस प्रवाह करते हुए व्यक्त किए।कुंवर महाराज मंदिर के महामंडलेश्वर कपिल मुनि महाराज के सानिध्य में आयोजित हो रही श्रीमद् देवी कथा के आठवें दिन शुक्रवार को मां कनकेश्वरी ने देवी के दिव्य रूपों का अपनी पियूष वाणी से चित्रण कर श्रद्धालुओं को देवी दर्शन की आत्मिक अनुभूति करा दी।इस अवसर पर उन्होंने कहां की प्रत्येक अवतार को अपनी अवतार सिद्धि के लिए मां की आराधना करनी होती है। भगवान राम ने भी तारा माई की आराधना कर अपने अवतार के उद्देश्य को प्राप्त किया। उन्होंने शिव शक्ति के बारे में बताया कि शिव राधा और कृष्ण मां जगदंबा स्वरूप है। कृष्ण रास करते हैं जो देवी का ही स्वभाव है। भगवान शिव को भांग के नशे से जोड़ने वालों से उन्होंने कहा कि महापुराण में कहीं भी शिव द्वारा भांग का नशा करने का उल्लेख नहीं है। नशा करना है तो भांग का नहीं भजन का करो तो जीवन का कल्याण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जीवन का एक अध्याय ऐसा होना चाहिए जिसमें आत्मा को बनाने के लिए साधना हो। आत्मा यदि उर्ध्वगामी हो गई तो मृत्यु भी आनंद दाई हो जाएगी। मानव शरीर और भारत की पवित्र भूमि हमें इस कार्य को करने में सहायक होगी।

उन्होंने कहा कि तपस्वियों का कर्तव्य जगत के कल्याण के लिए तप करना है ।देश के सैनिकों के लिए भी दुर्गा सप्तशती का पाठ हो।। साधना करने से परिस्थिति और वृत्ति

के साथ मनुष्य की प्रकृति भी सुधर जाती है।राजपुत्रों और नेता पुत्रों को गरुड़ द्वारा दिए गए राजनीति के उपदेश का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि यह धर्म कार्य में खुद को लगे ब्राह्मणों का सम्मान करें और जनता की रक्षा करें। झूठ कभी नहीं बोले। शास्त्रों द्वारा निंदित मार्ग पर कभी नहीं चले। जनहित का निर्णय बुद्धिजीवियों के साथ बैठकर करें। अपराधियों का दामन करें इंद्रियों पर काबू रखें कार्य सिद्धि के लिए गुप्त मंत्रणा करना जरूरी है। शत्रु से मिले हुए व्यक्ति को आसपास भी स्थान न दें हर दिन कुछ ना कुछ दान करें। दान व्यक्ति को समृद्ध कर देता है। लेने का विचार ही दरिद्रता का निर्माण करता है। हमारे हाथ बंटाने के लिए बने हैं ना कि बटोरने के लिए। यदि लोग आपको सुनना नहीं चाहते हैं तो ना बोले। मूर्ख लोगों को भोजन के सिवाय कुछ ना दें। संतों का भूल कर भी अपमान ना करें। अपराधियों को दंड न देने वाला राजा भी दंडनीय होता है। गुरु और वेदांत की शरण में रहे।। उन्होंने कहा कि अनुभूति की अभिव्यक्ति जिज्ञासा को बढ़ा देती है। इस अवसर पर देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर रामू अशोक जादौन पारस जैन सहित समस्त यजमान परिवार ने मां जगदंबा की आरती की।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478